पटना ●रविवार, 25 अगस्त 2024 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:225 www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र
RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नित नई ऊंचाईयों को छु रहा है लक्ष्मी... 3 www. bordernewsmirror.com रानी मुखर्जी की मर्दानी... 8

तेलुगु स्टार नागार्जुन के कन्वेंशन सेंटर पर चला बुलडोजर

हैदराबाद में झील की जमीन पर अवैध निर्माण का आरोप,6.69 एकड़ में बना था

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद डिजास्टर रिस्पॉन्स एंड असेट्स मॉनिटरिंग एंड प्रोटेक्शन ने दक्षिण के फिल्म स्टार नागार्जुन के खिलाफ बुल्डोजर ऐक्शन शुरू कर दिया है। हाइड्रा ने उनके ए-कन्वेंशन सेंटर पर बुल्डोजर चलवा दिया। 10 एकड़ के प्लॉट पर बना यह कन्वेंशन सेंटर कई साल से जांच के दायरे में था। यह कन्वेंशन सेंटर मधापुर इलाके में थम्मीदिकुंता झील के बफर जोन में आता था। यह हॉल रंगारेड्डी जिले के शिल्परामम के पास है। हाइड्रा ने शनिवार सुबह बुल्डोजर ऐक्शन शुरू कर दिया। मधापुर के डीएसपी का कहना है कि मौके पर भारी पुलिस बल को भी तैनात किया गया है। नॉर्थ टैंक डिविजन के रिकॉर्ड के मुताबिक थम्मीदिकुंता झील आक एफटीएल क्षेत्र लगभग 29 एकड़ का है और यह कन्वेंशन हॉल लगभग दो एकड़ बफर जोन के अंतरगत आता है। आरोप है कि अपने प्रभाव का दुरुपयोग करके ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम को इस कन्वेंशन हॉल पर कार्रवाई करने से रोक दिया गया था। शिकायत करने वाले भास्कर रेड्डी ने हाइड्रा के अधिकारियों से ऐक्शन लेकर झील को बहाल करने की मांग की थी। एन कन्वेंशन सेंटर को गिराने के दौरान उस तरफ को जाने वाले रास्तों को भी सील कर दिया गया। बता दें कि फिल्म इंडस्ट्री के अलावा अन्य क्षेत्रों में भी नागार्जुन का काफी प्रभाव है।

केजरीवाल के खिलाफ सीबीआई को मिला अब एलजी का साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। कथित शराब घोटाले मामले में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सीबीआई ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मंजूरी ले ली है।

सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा की राउज एवेन्यू अदालत में शुक्रवार को अभियोजन मंजूरी जमा कर दी है। अब मामले की अगली सुनवाई 27 अगस्त को होगी। एक बार जब अदालत सीबीआई की सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर संज्ञान ले लेती है, जिसमें केजरीवाल को आरोपी के रूप में नामित किया गया है, तो केजरीवाल के खिलाफ आरोप तय किए जाएंगे। शराब नीति से जुड़े कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तारी के बाद वह मार्च से न्यायिक हिरासत में हैं।

बिहार के पूर्वी चंपारण में 15 करोड़ के जब्त चरस के सिंडिकेट को खंगालने में जुटी आईबी

दो कैरियर की गिरफ्तारी के बाद पुलिस मुख्य सरगना की खोज में

मोतिहारी। बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घोघरहा बैरिया गांव से पुलिस ने गुप्त सूचना पर मादक पदार्थ के दो कैरियर को 60.5 किलो मादक पदार्थ (चरस) के साथ गिरफ्तार कर अब उसके आका की तलाश में जुट गई है। गिरफ्तार दोनो कैरियर हरसिद्धि थाना क्षेत्र के साजन कुमार व राजू कुमार बताये गए हैं। जिमसें पुलिस के अलावे आईबी की टीम भी पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार तस्करो के पास से एक बाइक व उनके मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है जिसको खंगाला जा रहा है। राजू के विरुद्ध तुरकौलिया एवं हरसिद्धि थाने में आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है। जब्त चरस की अंतराष्ट्रीय कीमत लगभग 15 करोड़ बताई जा रही है। इसके अलावे बड़े तस्कर की खोज जारी है जिसका तार हरसिद्धि के बैरियाडीह से जुड़े होने की बात कही जा रही है। वही आईबी की टीम भी पूरे सिंडिकेट को खंगालने में जुटी है। पुलिस टीम में डीएसपी अरेराज रंजन कुमार, थानाध्यक्ष हरसिद्धि निर्भय कुमार, सुगौली अमित कुमार सिंह, टेक्निकल सेल के मुन्ना कुमार, एसआई रवि रंजन कुमार, पीएसआई विभा कुमारी, शिखा कुमारी, संतोषी कुमारी, जमादार परमानन्द कुमार, टेक्निकल सेल के नित्यानन्द दुबे, कुमार चिरंजीवी सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

इजरायल पड़ रहा भारी, सीधा नहीं भिड़ पा रहा हमास

- अब विदेशों में बैठे निहत्थे इजरायलियों को बनाएगा निशाना
- हानिया की मौत का बदला लेने की है तैयारी, बना रहा प्लान

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान में हमास चीफ इस्माइल हानिया की हत्या कर दी गई थी। इस हत्या के लिए हमास और ईरान इजरायल पर आरोप लगाते हैं। हमास इजरायल से इसका सीधा बदला नहीं ले सकता है। इसलिए अब हमास ने हानिया की हत्या का जवाब देने के लिए नया प्लान बनाया है। चैनल- 12 ने फिलिस्तीनी सूत्रों का हवाला देते हुए गुरुवार को बताया कि हमास ने विदेशों में इजरायलियों के खिलाफ हमले करने का निर्णय लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने तेहरान में हानिया की हत्या के

ठीक दो दिन बाद हमास की ओर से रणनीति में बदलाव किया गया था। रणनीति में बदलाव इसलिए लिया गया है क्योंकि पिछले 10 महीने से चल रहे युद्ध के कारण हमास काफी हद तक कमजोर हो गया है। उसके पास इजरायल पर सीधा हमला करने की क्षमता नहीं है। न्यूज नेटवर्क ने इस बात की पुष्टि नहीं की है कि हत्या करने से जुड़ा अभियान आम इजरायली नागरिकों के खिलाफ चलाया जाएगा या अधिकारियों को निशाना बनाया जाएगा। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास ने इजरायल में हमला किया था, जिसके बाद गाजा का संघर्ष शुरू हो गया है। हानिया की मौत के तीन सप्ताह बाद भी ईरान इजरायल के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की कसम खा रहा है लेकिन उसने भी अब तक किसी भी तरह का जवाबी हमला नहीं किया है। हानिया की मौत की इजरायल ने न तो जिम्मेदारी ली है और न ही इससे इनकार किया है।

जल्द सामने आएगा कोलकाता डॉक्टर रेप-मर्डर केस का सच

आरोपियों का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' शुरू, मुख्य आरोपी संजय से जेल में सवाल-जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में पॉलीग्राफ टेस्ट शनिवार को शुरू हो गया। अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी है। ट्रेनी डॉक्टर के रेप और मर्डर केस में मुख्य आरोपी समेत छह अन्य का पॉलीग्राफ टेस्ट होना है। इस टेस्ट के दौरान व्यक्ति द्वारा सवालों के जवाब दिए जाते समय एक मशीन की मदद से उसकी शारीरिक प्रतिक्रियाओं को मापा जाता है।

इससे यह पता लगाया जाता है कि वह सच बोल रहा है या झूठ। अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी संजय रॉय का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' उस जेल में ही किया जाएगा जहां वह बंद है, जबकि पूर्व प्राचार्य संदीप घोष, घटना की रात ड्यूटी पर मौजूद चार चिकित्सकों और एक नागरिक स्वयंसेवक समेत छह अन्य का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' एजेंसी के ऑफिस में किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक दिल्ली के केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) से 'पॉलीग्राफ' विशेषज्ञों का एक दल कोलकाता पहुंच गया है। सीबीआई ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा था कि स्थानीय पुलिस ने ट्रेनी डॉक्टर से रेप और मर्डर केस दबाने का प्रयास किया था। जब तक सीबीआई ने जांच अपने हाथ में ली, तब तक अपराध स्थल से छेड़छाड़ की जा चुकी थी। हत्या की घटना के खिलाफ देश भर में व्यापक विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में नौ अगस्त को चिकित्सक का शव मिला था, जिस पर गंभीर चोटों के निशान थे। इस घटना के संबंध में रॉय को अगले दिन गिरफ्तार किया गया था। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 13 अगस्त को इस मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी थी। इसके अगले दिन सीबीआई ने जांच कोलकाता पुलिस से अपने हाथ में ले ली।

पहला रियूजेबल भारतीय हाईब्रिड रॉकेट आरएचयूएमआई-1 लॉन्च

53 सैटेलाइट सबऑर्बिटल में भेजे गए, ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज के रिसर्च में मिलेगी मदद

चेन्नई (एजेंसी)। भारत ने शनिवार को अपना पहला रियूजेबल हाइब्रिड रॉकेट रूमी 1 लॉन्च किया। चेन्नई के थिरुविदंधई से मोबाइल लॉन्चर के जरिए रॉकेट की लॉन्चिंग हुई। रॉकेट को तमिलनाडु बेस्ड स्टार्टअप स्पेस जोन इंडिया और मार्टिन ग्रुप ने मिलकर बनाया है। हाइब्रिड रॉकेट रूमी 1 के जरिए 3 क्यूब सैटेलाइट और 50 सैटेलाइट को सबऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी में भेजा गया। ये सैटेलाइट ग्लोबल वार्मिंग और क्लाइमेट चेंज से जुड़े रिसर्च के लिए डेटा इकट्ठा करेंगे। रूमी 1 रॉकेट जेनेरिक फ्यूल बेस्ड हाइब्रिड मोटर और इलेक्ट्रिकली ट्रिगर पैराशूट सिस्टम से लैस है।

बेहद घातक हो जाएंगे भारत के 'हंटर-किलर' हेलीकॉप्टर

- अमेरिका से मिलने जा रहा खास हथियार, हो गया समझौता

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार ने लगभग 52.8 मिलियन डॉलर (443 करोड़ रुपये) की एंटी-सबमरीन वारफेयर (एएसडब्लू) सोनोब्वाय और उससे संबंधित उपकरणों की भारत को प्रस्तावित बिक्री को मंजूरी दे दी है। बता दें कि ये सोनोब्वाय भारतीय नौसेना में शामिल किए जा रहे मल्टी-मिशन एमएच-60 आर सीहॉक हेलीकॉप्टरों में तैनात की जाएगी। शुक्रवार को बाइडेन प्रशासन ने अमेरिकी संसद को एक नोटिफिकेशन भेजा है।

इसमें कहा गया है कि प्रस्तावित बिक्री द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने और एक प्रमुख रक्षा साझेदार, भारत की सुरक्षा में सुधार करने के लिए है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि प्रस्तावित बिक्री भारत के एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों की क्षमता को बढ़ाएगी। इसके अलावा, ये वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की क्षमता में भी सुधार करेगी।

सरकारी कर्मचारियों के लिए केंद्र सरकार लाई यूनिफाइड पेंशन योजना का विकल्प

एजेंसी। नई दिल्ली

केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैश्वणव ने बताया कि केन्द्र सरकार सरकारी कर्मचारियों के लिए पेंशन की नई योजना लाई है। इसे यूनिफाइड पेंशन योजना का नाम दिया गया है। सरकारी कर्मचारी इसका विकल्प चुन सकते हैं। इसका लाभ केन्द्र के 23 लाख सरकारी कर्मचारी ले सकते हैं। इसके अलावा नई पेंशन योजना के तहत सेवानिवृत्त हो चुके सरकारी कर्मचारी भी इसका लाभ ले सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आज केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने उक्त फैसले को मंजूरी प्रदान की। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार भी इस तरीके को अपना सकती हैं। राज्य सरकारों के शामिल होने पर 90 लाख कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। कर्मचारियों पर इसका भार नहीं पड़ेगा। सरकार एक साल में 6 हजार करोड़ अतिरिक्त खर्च करेगी। यह खर्च साल दर साल बढ़ेगा। केन्द्रीय मंत्री वैश्वणव ने मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी देते हुए बताया कि नई योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पूरी तरह से विचार कर श्रेष्ठ प्रथाओं को अपनाया है। आने वाली जनरेशन पर प्रभाव न पड़े इसके लिए सभी योगदान वर्तमान में ही किया जाएगा और भविष्य पर बोझ नहीं डाला जाएगा। इसके अलावा कैबिनेट ने उच्च प्रदर्शन जैव विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए 'बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति' को मंजूरी दी है। साथ ही विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की तीन योजनाओं को जोड़ते हुए विज्ञान धारा योजना को मंजूरी दी गई है।

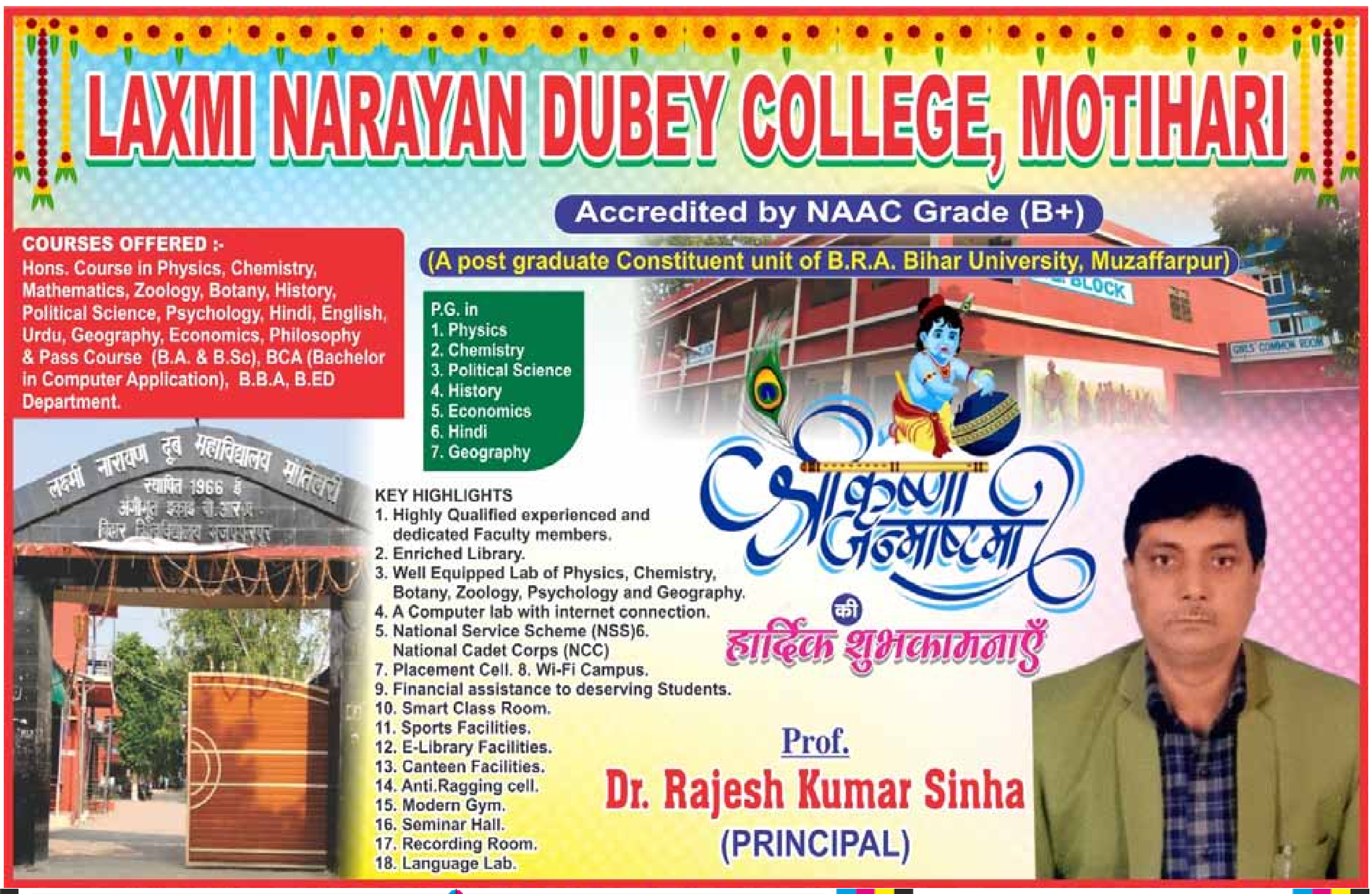

कुकुरझप डैम को पर्यटक स्थल बनाने की प्लानिंग जमुई में पर्यटन कमेटी अध्यक्ष ने किया मुआयना

पर्यटकों को विशेष सुविधा, रोजगार का मिलेगा अवसर

जमुई, एजेंसी। जमुई मुख्यालय से लगभग 18 किलोमीटर दूर बरहट प्रखंड के आंजन कुकुरझप जलाशय यानी कि जंगलों और पहाड़ों के बीच खूबसूरत कुकुरझप डैम पर पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा। जिसकी कोशिश शुरू हो गई है। बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के द्वारा सरकार से इसकी मांग की गई है। बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पर्यटन कमेटी अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह पिछले दो दिनों से कुकुरझप डैम का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि डैम को लेकर एक रिपोर्ट तैयार हो रहा है। जिसमें इस जगह को लेकर कई योजनाएं बनाई जा रही है, जिससे लोगों को रोजगार का अवसर मिलेगा और पलायन रुकेगी। अबतक की प्लानिंग के अनुसार डैम पर रोपवे, होमस्टे के अलावा और भी चीजों को स्थापित करने पर पहल की जाएगी। बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पर्यटन कमेटी अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कुकुरझप डैम के आसपास की जगहों का मुआयना किया। जिसके बाद उन्होंने जानकारी दिया कि इस जगह को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने के लिए विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक हुई है। कुकुरझप डैम पर पर्यटन का बढ़ावा मिलने के बाद इस इलाके में रोजगार का अवसर मिलेगा और पलायन भी रुकेगी।

बीआईए पर्यटन कमेटी अध्यक्ष ने बताई प्लानिंग

बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के पर्यटन कमेटी अध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने इस बारे में बातचीत करते हुए बताया कि पर्यटन क्षेत्रों को विकसित करने को लेकर पटना में काफी मीटिंग हुई है। मंत्री और अधिकारियों के साथ तय हुआ कि पर्यटन क्षेत्र को देखा जाएगा। जिसके लिए एक कमेटी बनी हुई थी। मुझे भार सौंपा गया और संभावना तलाशने की बात कही गई। उन्होंने बताया कि बीडीओ और सीओ से आग्रह किया है कि पहले इस पर चारों ओर सोलर लाइट लगवाए। सड़क को पूरी तरह से ठीक करवाए और एक बोर्ड लगवाए ताकि लोग आकृषित हो। डैम के आसपास अपराधियों के अड्डे की बात को लेकर उन्होंने बताया कि जैसा की रिपोर्ट आ रही है कि अब यहां अपराधियों और नक्सलियों का अड्डा नहीं है। शाम में भी अब लोग यहां आ-जा रहे हैं।

अपराधियों के अड्डे और योजनाओं को लेकर दी जानकारी

कमेटी अध्यक्ष ने आगे कहा कि अपराधी वहीं पनपते हैं, जहां बहुत कम इकोनॉमी हो। जब आपके गांव, घर में इकोनॉमी बढ़ने लगेगी तो किसी को फुर्सत नहीं है, अपराधियों वाले काम करने की। कुकुरझप डैम को पर्यटन के क्षेत्र में विकसित करने के बाद रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और पलायन भी रुक जाएगी। डैम के आसपास के इलाकों और आगे की योजनाओं को लेकर कहना है कि यह इलाका पहाड़ों से घिरा है। ऐसे में दो पहाड़ों को जोड़ने वाला एक रोपवे भी बनवाया जाएगा। साथ ही पर्यटकों के लिए शुद्ध पेयजल, शौचालय इत्यादि की सुविधा भी बहाल की जाएगी। जानकारी देते हुए आगे कहा कि नवंबर में एक टीम जमुई आएगी और लोगों को इस बारे में जागरूक करेगी।

भागलपुर कोर्ट का आनोखा आदेश- साली को भगाने पर जीजा लगाएगा 25 पेड़, उसके बाद तय होगी सजा

भागलपुर, एजेंसी। बिहार के भागलपुर में जीजा द्वारा अपनी शादीशुदा साली को भगा ले जाने के मामले में कोर्ट का अनोखा आदेश आया है। कोर्ट ने आरोपी जीजा को यह आदेश दिया है कि वह अपने हाथों से 25 पेड़ लगाए उसके बाद उसकी सजा तय की जाएगी। कोर्ट ने आरोपी को थानेदार से पेड़ लगा देने का सर्टिफिकेट पेश करने का भी आदेश दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 28 अगस्त को होने वाली है। मामला 7 साल पुराना है। इस आदेश की चर्चा जोर शोर से हो रही है। आरोपी जीजा का नाम राजकुमार मंडल है जिसे कोर्ट ने पेड़ लगाने का आदेश दिया है। जानकारी के मुताबिक सनोखर थाना क्षेत्र के राजकुमार मंडल ने वर्ष 2017 में इस कृत्य को अंजाम दिया था। दायर मुकदमे के अनुसार राजकुमार मंडल अपनी छोटी शादीशुदा साली को भगाकर ले गया था। इतना ही नहीं अपने ससुराल वालों के घर से 15 हजार रुपये भी ले गया था। आरोपी जीजा पर शादी की नीयत से साली को भगाने का केस दर्ज कराया गया था। उक्त मामले में एडीजे की अदालत में सुनवाई हुई। शुक्रवार को कोर्ट ने अभियुक्त को 25 पौधे लगाने का आदेश दिया। पौधे लगाने के बाद उसे थानेदार से इसका सर्टिफिकेट भी लेना होगा। 28 अगस्त को सजा के बिंदु पर बहस होगी।

इस मामले में बचाव पक्ष के वकील ने सफाई साक्ष्य बंद करने का आग्रह किया था, जिसके बाद कोर्ट ने उसे बंद कर दिया। सनोखर थाना क्षेत्र के रहने वाले नारायण मंडल ने घटना को लेकर थाना में शिकायत की थी। थाना पर उनकी बात नहीं सुनी गई तो वे कोर्ट पहुंचे और नालसीवाद दायर किया। जिसके आधार पर थाने में शादी की नीयत से अपहरण का केस दर्ज किया गया। नारायण ने बताया था राजकुमार ने ही उनकी छोटी बेटी का 30 जून 2007 को शादी नीयत से अपहरण कर लिया था। इस मामले की अगली तारीख 28 अगस्त तय किया गया है जब सजा को लेकर बहस होगी। उसके बाद कोर्ट का अंतिम फैसला आएगा।

महिला ने मांगी लिफ्ट, साथी बदमाशों ने की छिनतई

मुजफ्फरपुर में पत्रकार के साथ लूटपाट, मोबाइल-बाइक लेकर भागे बदमाश

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में एक पत्रकार को महिला ने झांसे में लिया। इसके बाद इनके साथ लूटपाट की घटना हुई है। लूटपाट करने वाले गिरोह में एक महिला भी शामिल है। ये देर रात में सुनसान जगह पर बाइक सवार लोगों से लिफ्ट मांगती है। बाइक सवार को उसके गैंग के लोग डरा धमका कर लूट लेते है। फिर फरार हो जाते है। फिलहाल, पत्रकार के साथ लूटपाट की घटना हुई है। बदमाश उनका बाइक व मोबाइल लेकर भाग गए। घटना कांटी थाना क्षेत्र में एनएच-28 पर हाउसिंग बोर्ड के निकट की है। यहां काम निपटा कर घर लौट रहे एक पत्रकार को महिला ने झांसे में लिया। गुरुवार की देर रात लूट कांड को अंजाम दिया है।

हथियार के बल पर बाइक-मोबाइल की लूट : पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सदातपुर स्थित एक दैनिक अखबार के दफ्तर से काम खत्म कर देर रात घर लौट रहे पत्रकार देव कुमार को हाउसिंग बोर्ड के निकट एक महिला ने हाथ देकर रुकवाया। उसे लगा कि महिला किसी परेशानी में है, यह सोचकर वे ठहर गए। लेकिन, कुछ ही पल में पीछे से दो युवक आए और हथियार के बल पर उनकी बाइक, मोबाइल और नकदी लूट ली। मामले में कांटी थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पीड़ित पत्रकार काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के दामुचक के रहने वाले हैं। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है।

मामले की जांच में जुटी पुलिस : डीएसपी वेस्ट अभिषेक आनंद ने बताया कि कांटी थाना क्षेत्र अंतर्गत सादतपुर के समीप बीते रात को बाइक से जा रहे एक व्यक्ति के साथ लूट की घटना को अंजाम दिया गया। जिसके बाद पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि रात में मुजफ्फरपुर की ओर जा रहे थे। उनके बाइक को दो व्यक्ति और एक महिला ने रोका। उनके बाइक-मोबाइल फोन को लूट लिया। सभी वहां से भाग गए। पुलिस आसपास के लगे सारे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है।

अमृत भारत योजना से संवरेंगे पटना और पाटलिपुत्र जंक्शन, रेलवे स्टेशन की बदल जाएगी सूरत

पटना, एजेंसी। बिहार की राजधानी पटना के दो प्रमुख रेलवे स्टेशनों को अब अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जाएगा। पटना और पाटलिपुत्र जंक्शन को इस योजना में शामिल करने के लिए दानापुर रेल मंडल का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड ने स्वीकार कर लिया है। योजना के अनुसार दोनों स्टेशनों के पार्किंग एरिया से लेकर स्टेशन बिल्डिंग एवं अन्य यात्री सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। इन दोनों स्टेशनों की सूरत बदल जाएगी और विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलेंगी। इससे पहले बिहार के 92 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित करने की मंजूरी रेल मंत्रालय से मिल गई है। इसके बाद दानापुर रेल मंडल सहित जोन के कई स्टेशनों पर काम शुरू हो गया है। पाटलिपुत्र जंक्शन के दूसरे छोर पर आने-जाने का नया रास्ता विकसित किया जा रहा है। अगले दो महीने में इसे पूरी तरह तैयार कर लिया जाएगा। इससे सगुना मोड़, खगौल और उत्तर बिहार की ओर से आने वाले लोगों को नहर पर बने आरओबी को पार करने की मजबूरी नहीं होगी। यात्री अटल सेतु के नीचे स्टेशन के सामने बने पुल पर होकर रेल परिसर तक आ सकते हैं। हालांकि, वाहनों की पार्किंग के लिए पाटलिपुत्र जंक्शन के दूसरे छोर पर क्षेत्र को विकसित करने की जरूरत है।

अमृत भारत स्टेशनों पर सुविधाओं लेकर आम लोगों से : दानापुर के 11 नए स्टेशनों पर ओएसओपी रेल मंडल के 36 स्टेशनों पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत स्टॉल खोले गए थे। हाल के दिनों में 11 स्टेशनों पर ओएसओपी योजना के तहत स्टॉल शुरू किये गए हैं। हाल ही में पुनपुन हॉल्ट पर यह सेवा शुरू की गई है। पटना जंक्शन, राजेंद्र नगर, पाटलिपुत्र जंक्शन, दानापुर जंक्शन सहित कई महत्वपूर्ण स्टेशनों पर एक स्टेशन एक उत्पाद योजना के तहत स्टॉल खोले जा चुके हैं।

हटिया-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस में लगेंगे अतिरिक्त कोच : यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे की ओर से कई ट्रेनों में स्लीपर क्लास के अतिरिक्त कोच लगाये जा रहे हैं। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 18621/18622 हटिया पाटलिपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन में स्लीपर के दो अतिरिक्त कोच लगाये हैं। अगले आदेश तक यह सुविधा जारी रहेगी। वहीं रेलवे अधिकारियों के अनुसार त्योहार के सीजन में ट्रेनों में यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है, इस कारण लंबी वेटिंग सूची हो जाती है। इस दौरान हटिया पाटलिपुत्र एक्सप्रेस ट्रेन में भी यात्रियों का दबाव ज्यादा रहता है। इसे देखते हुए अतिरिक्त कोच लगाए गए हैं।

खेल मैदान के नाम पर बिहार में हो गया खेला, बिना मिट्टी भरे मनरेगा के 28.39 लाख निकाल लिए

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मनरेगा के तहत बिहार के मुजफ्फरपुर में खेल मैदानों को विकसित करने के नाम पर बड़ा खेल हो रहा है। धरातल पर इन खेल मैदानों का कहीं अता-पता नहीं है। बावजूद इसके इन मैदानों में मिट्टी भराई के नाम पर लाखों रुपये की न केवल योजना स्वीकृत की गई, बल्कि काम पूरा दिखाकर योजना की पूरी राशि भी निकाल ली गई। ऐसे मामले पूरे जिले से सामने आए हैं। मोतीपुर प्रखंड में ऐसे कई मामलों के सामने आने के बाद जांच कराई गई। इसमें गलत तरीके से योजना चयन करते हुए राशि निकाले जाने की पुष्टि हुई, लेकिन आजतक इसके लिए जिम्मेवार लोगों से राशि वसूली के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

इन मामलों का खुलासा तब हुआ जब इसकी शिकायत निगरानी विभाग से लेकर ग्रामीण विकास विभाग तक पहुंची। मोतीपुर के परसौनी कूपर निवासी संजय सिंह ने इसकी शिकायत करते हुए जांच कराने की मांग की थी। इसपर ग्रामीण विकास विभाग ने उप

विकास आयुक्त मुजफ्फरपुर को जांच का आदेश दिया था। उप विकास आयुक्त ने महिला प्रसार पदाधिकारी पूनम कुमारी के नेतृत्व में जांच टीम बनाई। इसमें डीआरडीए के प्रसार पदाधिकारी तरुण कुमार और कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विभाग, कार्य प्रमंडल, मुजफ्फरपुर पश्चिमी को तकनीकी सदस्य बनाया गया था। टीम ने भौतिक जांच के बाद योजनाओं के चयन से लेकर राशि निकासी तक अनियमितता बरतने की रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कब्रिस्तान, केले के बगान और सड़क किनारे की जमीन को खेल मैदान बता दिया गया और फर्जी तरीके से योजना का चयन किए जाने की बात सामने आई थी। साथ ही, मिट्टी भराई करते हुए पूरी राशि गलत तरीके से निकाले जाने की बात भी रिपोर्ट में कही गई है। टीम की रिपोर्ट पर जिला प्रसाशन गंभीरता से विचार कर रहा है। इस मामले में कार्रवाई की तैयारी चल रही है जिसमें कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है।

अधिकारियों व मुखिया से मांगा गया स्पष्टीकरण

केवल इन्हीं तीन योजनाओं के साथ ऐसा नहीं किया गया। बल्कि, मोतीपुर प्रखंड की एक ही पंचायत पगहिया की सात योजनाओं में मिट्टी भराई के नाम पर 28,38,912 रुपये का वारा न्यारा कर लिया गया। जांच टीम ने इसमें बीपीओ, जेई, पीटीए, पीआरएस और मुखिया की स्पष्ट संलिप्तता बताई। जांच रिपोर्ट के आधार पर डीडीसी ने इन सभी से स्पष्टीकरण मांगा, लेकिन आजतक सरकारी पैसे की वापसी के लिए कोई पहल नहीं की गई। जांच रिपोर्ट के अनुसार एकौलिया गांव में जिस जमीन को खेल मैदान बताकर 2,07,103 रुपये मिट्टी भराई के नाम पर निकासी की गई, वह जमीन भौतिक जांच के दौरान कब्रिस्तान की निकली। मणिकपुर गांव में जिस भूमि को खेल मैदान बता 2,45,772 रुपये की मिट्टी भरी गई थी, जांच के दौरान वह जमीन सड़क किनारे की पगडंडी निकली।

गिरफ्तार होंगे पूर्व मंत्री वृषिण पटेल? पॉक्सो कोर्ट से नहीं मिली बेल, नाबालिग के यौन शोषण का आरोप

मुफ्फरपुर , एजेंसी। नाबालिग के यौन शोषण मामले में फंसे नीतीश कुमार की सरकार में मंत्री रहे वृषिण पटेल की पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। यौन शोषण के एक मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका विशेष पॉक्सो कोर्ट-2 के न्यायाधीश ने खारिज कर दी। इसके पहले विशेष पॉक्सो कोर्ट-2 के न्यायाधीश प्रशांत कुमार झा ने गुरुवार को पूर्व मंत्री की ओर से दायर अग्रिम जमानत याचिका को सुनवाई के बाद आदेश के लिए सुरक्षित रख लिया था। इसकी जानकारी विशेष पॉक्सो कोर्ट-2 के विशेष लोक अभियोजक अजय कुमार ने दी। वृषिण पटेल वैशाली लोकसभा के सांसद भी रहे। मुजफ्फरपुर पॉक्सो कोर्ट के विशेष लोक अभियोजक बताया कि पूर्व मंत्री की तरफ से पटना हाईकोर्ट से आए वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने जमानत देने की कोर्ट से गुहार लगाई, जिसका सरकारी वकील के अलावा पीड़िता की अधिवक्ता रिचा स्मृति ने विरोध किया। दोनों पक्षों की दलील सुनने और सबूतों को देखने के बाद कोर्ट ने जमानत देने से इंकार कर दिया। इधर, कोर्ट का आदेश आने के बाद पूर्व मंत्री अगली कानूनी प्रक्रिया में लग गए हैं। उनके द्वारा अब इस आदेश के खिलाफ हाईकोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल किए जाने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल पूर्व मंत्री पर गिरफ्तारी की तलवार लटक गई है।

वीडियो बना ब्लैकमेल करने का आरोप : गौरतलब है कि कुढ़नी की एक नाबालिग ने नौकरी दिलाने के नाम पर यौन शोषण और वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाते हुए नवंबर 2023 में पूर्व मंत्री वृषिण पटेल के खिलाफ विशेष पॉक्सो कोर्ट में परिवाद दायर कराया था। कोर्ट के आदेश पर मंत्री के खिलाफ पॉक्सो की धारा 4 और 6 के अलावा आईपीसी की धारा 323, 341, 354 (बी), 307, 420, 376 और 504 के तहत केस दर्ज किया गया था। किशोरी ने घटना दो वर्ष पूर्व की बताई थी। परिवाद पर सुनवाई करते हुए पॉक्सो कोर्ट-2 से पूर्व मंत्री के खिलाफ जमानतीय वारंट जारी किया था। इसके बाद पूर्व मंत्री की ओर से बीते 5 अगस्त को जिला जज की अदालत में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई थी।

मगरमच्छ दिखने से दहशत में हैं लोग: पानी में बत्तख डालकर मगरमच्छ को पकड़ने की कोशिश

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर के बड़हरा प्रखंड क्षेत्र के बबुरा गांव में मगरमच्छ देखे जाने के बाद से ग्रामीण दहशत में हैं। गंगा में बाढ़ की वजह से पास के एक तालाब में भी पानी बढ़ गया है। इसी में लोगों ने मगरमच्छ देखा है। मगरमच्छ ने अब तक दो मुर्गे का शिकार किया है। वहीं, एक बछड़े पर भी हमला किया है। वन विभाग को सूचना दे दी गई

2 मुर्गे को बना चुका है निवाला

है। पर टीम अभी तक मगरमच्छ को पकड़ नहीं सकी है। अब ग्रामीण उस मगरमच्छ को नदी से बाहर निकालने के लिए बत्तख का सहारा ले रहे हैं। ग्रामीण समीर ने बताया कि बत्तख को रस्सी से बांध कर पानी भरे गढ्ढे में डाल रहे, ताकि उसे देख कर मगरमच्छ बाहर आए और उसे पकड़ा जा सके।

वन विभाग की टीम कर रही निगरानी

गांव में 14 हजार की आबादी है और जिस तालाब में मगरमच्छ दिखा, वहां करीब 1 हजार लोग रहते हैं। लोगों का कहना है कि सबसे ज्यादा बच्चों को खतरा है। वन विभाग की टीम सूचना के बाद लगातार क्षेत्र में निगरानी कर रही है। हालांकि मगरमच्छ को पकड़ने में टीम अभी तक सफल नहीं हो पाई है। इससे लोग दहशत में हैं।

22 अगस्त के बाद किसी ने नहीं देखा

जहां मगरमच्छ दिखा, वहां पास में ही शिव लोचन पासवान का घर है। उनके बेटे अजीत कुमार ने बताया कि करीब तीन दिन पहले मेरे घर के सामने मगरमच्छ दिखा था, जिसका वीडियो बनाया। तुरंत ही ग्रामीणों को सूचित किया। वन विभाग की टीम लोकेशन पर पहुंची, लेकिन उसे पकड़ नहीं पाई। बाद में मगरमच्छ को लगातार देखा गया। लेकिन 22 अगस्त की रात के बाद से मगरमच्छ को किसी ग्रामीण ने नहीं देखा है।

शोर मचाने पर पानी में चला गया

ग्रामीण समीर ने बताया कि एक दिन पहले शिव लोचन पासवान के घर के पास एक गाय का बछड़ा बंधा था। मगरमच्छ ने उस पर हमला किया था। लेकिन ग्रामीणों ने शोर मचाया तो वो पानी में भाग गया। लोग रात में सो नहीं पा रहे हैं। इधर, शुक्रवार की सुबह वन विभाग की टीम भी वापस लौट गई।

बबुरा गंगा से सटा हुआ इलाका है

ग्रामीणों का कहना है कि सबसे ज्यादा खतरा शिव लोचन पासवान के घर में रहने वाले लोगों को है। यह घर गड्ढे के बगल में है। घर की सीढ़ी भी पानी को छूती हुई छत की ओर जाती है। इस घर में करीब 13 सदस्य हैं। सबसे पहले इसी घर के रहने वाले अजीत कुमार ने मगरमच्छ को देखा था। वन विभाग ने इन्हीं के घर के नीचे जाल लगाया है। दरअसल, बबुरा गंगा से सटा हुआ इलाका है। गंगा में बाढ़ आने की वजह से इस क्षेत्र में भी पानी भर चुका है। अब भले ही पानी घट रहा हो। लेकिन इस क्षेत्र से पानी अभी बाहर नहीं निकला है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि मगरमच्छ बाढ़ की वजह से ही इस इलाके में आया। इधर, रेंजर रंजन कुमार शर्मा ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा सूचना दी गई थी कि बबुरा गांव वार्ड 4 में एक छह फीट का मगरमच्छ देखा गया है। इसके बाद हमारी टीम लगातार तीन दिनों से उसकी तलाश कर रही है। तालाब में अधिक मात्रा में जलकुंभी होने से मगरमच्छ की बॉडी नहीं दिख रही है। संजय गांधी जैविक उद्यान (पटना जू) और वीटीआर, बगहा से टीम को बुलाया गया था। पर अब तक मगरमच्छ नहीं मिला है। निचले इलाके में रहने वाले लोगों को पानी के किनारे आने के लिए मना किया गया है।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

एलएनडी कॉलेज अपने शैक्षणिक माहौल के लिए छात्रों की पहली पसंद

बीएनएम। मोतिहारी

पूर्वी चम्पारण जिला स्थित लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय अपनी नित नई ऊंचाईयों को छु रहा है ऐसे मे शनिवार को द्विभाषीय दैनिक "बॉर्डर न्यूज़ मिरर" अखबार कॉलेज प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा एवं बीएनएम संवाददाता नीरज आनंद के बीच बातचीत का अंश

प्रश्नः ज़िलें के प्रतिष्ठत कॉलेज के प्रिंसिपल का पद ग्रहण करने के बाद आप अपनी नई जिम्मेदारी को लेकर क्या कहेंगे?

उत्तरः विधिसम्मत ईमानदारी से अपने कर्तव्य का पालन करना और शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थीयों के बीच समन्वय स्थापित कर उनसे ईमानदारीपूर्वक अपने-अपने कर्तव्य का पालन करवाना। विद्यार्थियों में अनुशासन, चरित्र और राष्ट्रीयता का भाव जगाना आदि मेरी प्राथमिकता है।

प्रश्नः कॉलेज के शैक्षिक माहौल को बेहतर बनाने के लिए आपके पास कौन-कौन सी नई योजना है?

उत्तरः नियमित वर्ग संचालन, आधुनिक पुस्तकालय, सेमिनार, खेलकूद, प्लेसमेंट आदि के माध्यम से शैक्षणिक माहौल को ऊंचाई तक ले जाना मेरी प्राथमिकता है।

प्रश्नः कॉलेज प्रशासन और छात्रों के बीच जो समन्वय की कमी देखने को मिलती है उसे कैसे बेहतर किया जा सकता हैं ?

उत्तरः अनुशासन और कर्तव्यबोध के माध्यम से एक-दूसरे के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार स्थापित करके।

प्रश्नः सरकार और यूनिवर्सिटी के द्वारा लगातार प्रयास करने के बावजूद स्टूडेंट्स की क्लास में उपस्थिति कम दर्ज की जा रही है उसको कैसे ठीक किया जाएगा?

उत्तरः मानक से कम वर्ग में उपस्थिति वाले विद्यार्थी को परीक्षा में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। विद्यार्थियों को वर्ग करने के फायदे बताकर, उसे प्रेरित करके तथा उनके अभिभावक से बात करके।

प्रश्न : मैनेजमेंट और अन्य तकनीकी विषयों के स्टूडेंट्स के कैंपस प्लेसमेंट को कैसे बेहतर किया जाएगा?

उत्तरः महाविद्यालय में प्लेसमेंट सेल बना हुआ है। समय-समय पर कम्पनी को कैम्पस में बुलाकर प्लेसमेंट को बेहतर किया जायेगा। आज भी मैं टी.सी.एस. कम्पनी को प्लेसमेंट के लिए आमंत्रण भेजा हूं।

प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा प्राचार्य एलएनडी कॉलेज, मोतिहारी।

एसएसबी ने 260 ग्राम चरस व 25 ग्राम ब्राउन शुगर तथा दो बाइक के साथ 4 तस्करो को किया गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी 71 वीं वाहिनी के जवानों ने दो अलग अलग जगहों पर छापेमारी कर क्रमशः 260 ग्राम व 25 ग्राम चरस के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। मामले की पुष्टि करते हुए एसएसबी 71 वीं वाहिनी के कमांडेंट प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि हमें गुप्त सूचना मिली थी कि मादक पदार्थ की डिलीवरी होने वाली है। सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सघन जांच तेज कर दी गई। जांच के दौरान हरपुर थाना क्षेत्र के चिकनी गांव के समीप पल्सर मोटरसाइकिल से आ रहे दो व्यक्तियों के शरीर की जांच की गई तो उनके पास से एक पैकेट में चरस बरामद किया गया। दोनों तस्कर की पहचान रक्सौल के परेउवा गांव निवासी गणेश प्रसाद के बेटे सागर कुमार और हरपुर कोरिया टोला निवासी रामयोध्या महतो का पुत्र अन्नू कुमार के रूप में हुई। वहीं दूसरी ओर भारत नेपाल बॉर्डर के इनरवा (लरहा टोला) के निकट छापेमारी कर नेपाल से बाइक से लाये जा रहे 25 ग्राम ब्राउन सुगर के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही तस्करी में प्रत्युक्त हीरो स्प्लेंडर प्लस बाइक को भी जब्त कर लिया गया। पकड़े गए दोनो तस्करों की पहचान नकरदेई थाना क्षेत्र के नकरदेई गांव निवासी मोहम्मद फारूक तथा मोहम्मद सोहराब के रूप में की गई हैं। गिरफ्तार चारो तस्करों को कागजी प्रक्रिया के बाद क्रमशः हरपुर थाना व आदापुर थाना को सौंप दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने 15 करोड़ का चरस व गांजे का खेप किया बरामद

दो तस्कर गिरफ्तार पूछताछ में जुटी पुलिस

बीएनएम। मोतिहारी। जिला पुलिस की टीम ने नशे की बड़ी खेप को बरामद किया है। हरसिद्धि पुलिस को यह सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने धवही गांव से करीब 60 किलो चरस व गांजा की बड़ी खेप को बरामद किया है। जिसका अनुमानित कीमत 15 करोड़ बतायी जा रही है। इस दौरान पुलिस ने दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार एसपी कांतेश कुमार मिश्र को मिली गुप्त सूचना के बाद डीएसपी अरेराज रंजन कुमार के नेतृत्व में हरसिद्धि पुलिस ने उक्त कारवाई की है। गिरफ्तार तस्करो से पूछताछ के बाद नशे के इस कारोबार में शामिल अन्य लोगो की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

कृष्ण जन्माष्टमी एवं चहल्लुम को लेकर थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

बीएनएम। तुरकौलिया। कृष्ण जन्माष्टमी एवं चहल्लुम को लेकर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव की अध्यक्षता मे हुई। जहाँ एसएचओ सुरेश कुमार यादव ने सभी जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोगों से कहा कि चहल्लुम मे जुलूस निकालने के लिए सभी लोगो को लाइसेंस लेना अति आवश्यक है। सभी जनप्रतिनिधि को असमाजिक तत्वों एवं हुड़दंगियो पर नजर रखने को कहा गया। प्रशासन हर जगह नजर बनाई रखेगी। मौके पर बीडीओ प्रियंका कुमारी पुलिस निरीक्षक अरशद राजा थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव पंचायत समिति सदस्य अशोक यादव, ईद महमद, पूर्व मुखिया कमरूजमा, मुखिया संघ के अध्यक्ष सुनील टाइगर, मुखिया क्यामुदीन राजद नेता अनीश आलम, मुन्ना दुबे संरपच पति म. आदम, संरपच मनोज कुमार, कलाम अंसारी आदि मौजूद थे

बारिश से नेपाली नदियो में उफान, रक्सौल शहर में घुसा बाढ का पानी

बीएनएम। मोतिहारी। नेपाल में बीते दो दिनो से हो रही लगातार बारिश से सभी नेपाली नदिया उफान पर है। नेपाल से निकलकर पूर्वी चंपारण जिले में बहने वाली सरिसवा,तिलावे,बंगरी,गाद दुधौरा व तीयर समेत सभी नदिया खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। सरिसवा नदी के जलस्तर के बढ़ने के कारण रक्सौल शहर के सुंदरपुर, इस्लामपुर, गांधी नगर, अहिरवाटोला, छठिया घाट समेत करीब आधा दर्जन मुहल्ले में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। जिससे लोगो का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है। स्कूली बच्चे,महिलाओ व वरिष्ठ नागरिक खासा परेशानी का सामना कर रहे है। स्थानीय नागरिको ने बताया कि बाढ के पानी लगातार बढ रहा है,लेकिन अब तक कोई प्रशासनिक सहायता नही मिल सका है।

अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन को यादकर बेतिया में अमर शहीदों को दी गयी श्रद्धांजलि

बीएनएम। बेतिया

24 अगस्त 1942 को भारत माता को गुलामी की बेड़ियों से आजादी दिलाने के वास्ते हंसते-हंसते अपने प्राणों को न्यौछावर कर देने वाले चंपारण के 08 नौजवानों के सम्मान में शनिवार को बेतिया स्थित शहीद स्मारक कैम्पस में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। दूसरी तरफ इस अवसर पर सत्याग्रह भवन में अमर शहीदों के तैल चित्र पर माल्यापर्ण कर एवं शहीद सपूतों के बलिदान को याद व नमन किया गया है। 24 अगस्त 2024 को सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से अमर शहीदों के सम्मान में श्रद्धांजलि अर्पित कर पौधारोपण भी किया गया। सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन के सचिव डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता , नवीदूं चतुर्वेदी, डॉ अमित कुमार लोहिया , डॉ शाहनवाज अली, वरिष्ठ पत्रकार डॉ अमानुल हक संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट ने सरकार से मांग करते हुए कहा कि चंपारण सत्याग्रह के गवाह रहे ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला को राष्ट्रीय स्मारक बनाया जाए । स्मरण रहे कि कई वर्षों से सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला को राष्ट्रीय स्मारक बनाने की मुहिम चला रही है।पहले भी 27 अप्रैल 2017 को चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ऐतिहासिक चंपारण सत्याग्रह स्मृति चिन्ह ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला का दुर्लभ तैल चित्र से डॉ एजाज अहमद सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन द्वारा मुरली भरवा में मुख्यमंत्री को सम्मानित किया गया था। मुख्यमंत्री ने मंच से ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला को राष्ट्रीय स्मारक बनाने की बात भी कही थी।

गंडक नदी में कटाव हुआ तेज, ग्रामीण भयभीत

बीएनएम। मोतिहारी

नेपाल में हो रही बारिश से गंडक नदी के जलस्तर में काफी वृद्धि दर्ज की जा रही है। वही नदी के जलस्तर में बढोत्तरी के साथ ही जिले के संग्रामपुर प्रखंड स्थित पुछरिया गांव पर फिर से बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है । पुछरिया मलाही टोला के समीप लग्भग अस्सी से सौ मीटर में धीरे धीरे हो रहे कटाव से ग्रामीण भयभीत हैं।ग्रामीण अरुण तिवारी, राघव सिंह, रविरंजन सिंह, रामचन्द्र सिंह, नवल सिंह, सूरज यादव, विनोद सहनी, बुनिलाल सहनी, चन्द्रकिशोर सहनी आदि ने बताया कि कटाव धीरे धीरे जारी है लेकिन जल संसाधन विभाग केवल जायजा ले रहा है। अगर समय रहते कटावरोधी कार्य नही हुआ तो आवासीय घर बचाना मुश्किल हो जायेगा, क्योंकि कटाव स्थल से महज पांच से दस मीटर आवासीय घर है, जो कभी भी नदी में समाहित हो सकता है जिससे लगभग पांच से दस हजार की आबादी प्रभावित हो सकती हैं। लोगो ने बताया कि पूर्व में ही बोरी में ईंट का टुकड़ा भर पक्का कटावरोधी कार्य कराने की मांग की गयी थी।लेकिन विभाग एक माह पूर्व बोरी में बालू भरकर कटावरोधी कार्य किया जो नदी में समाहित हो चुका हैं।वही संग्रामपुर प्रमुख सुनीत देवी के प्रतिनिधि नितेश कुमार ने भी जल संसाधन विभाग से जल्द से जल्द कटावरोधी कार्य कराने की मांग किया है।

पैसे लेनदेन के विवाद में हुई थी वीरेन्द्र की हत्या

मृतक की पुत्री के आवेदन पर एफआईआर दर्ज, आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया

बिजधरी थाना क्षेत्र के लाला छपरा में हुए हत्याकांड का पुलिस ने सफल उद्भेदन कर लिया है। वहीं आरोपी टुनटुन ठाकुर को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। शनिवार को थाना परिसर में जानकारी देते हुए डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि वीरेंद्र कुछ दिन पहले जमीन बिक्री किया था। बिक्री की गई जमीन का पैसा आरोपी टुनटुन ले लिया था। इसको लेकर दोनों में विवाद हुआ। इस दौरान वीरेंद्र की धारदार हथियार से हत्या कर आरोपी युवक ने शव को घर में बंद कर दिया। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रतर कार्रवाई में जुट गई। मामले में मृतक की पुत्री सुमन कुमारी ने टुनटुन को आरोपित करते हुए एफआईआर दर्ज करायी। जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष राजीव कुमार, एसआई अनिल कुमार सिंह सहित सशस्त्र बल शामिल थे। बता दें कि लाला छपरा वार्ड संख्या दो निवासी 50 वर्षीय वीरेंद्र ठाकुर की हत्या कर दी गई थी। उनका शव गुरुवार को उनके घर से बरामद किया गया था।

हरसिद्धि में हुई उर्वरक निगरानी समिति की बैठक

खाद दुकान पर उर्वरक स्टॉक व कीमत की तालिका प्रदर्शित करना अनिवार्यः बीएओ

- प्रमुख ने कहा, किसानों के हित में हम सब करे काम
- किसानों को खाद के साथ कोई भी समान थोपने का काम नही किया जायः मार्कण्डेय कुशवाहा

बीएनएम। हरसिद्धि

प्रखंड मुख्यालय स्थित ई किसान भवन में प्रखंड उर्वरक निगरानी समिति की बैठक हुई। अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख जानकी देवी व संचालन बीएओ अमरेंद्र कुमार ने किया। प्रमुख जानकी देवी ने कहा कि हम सब किसानों के हित में काम करे। किसानों को गुणवतपूर्ण बीज व खाद उपलब्ध कराए। किसान सलाहकार बबुआकांत दास ने नैनो यूरिया व नैनो डीएपी के उपयोग व फायदा के बारे में जानकारी दी। विधायक प्रतिनिधि मार्कण्डेय कुशवाहा ने कहा कि किसानों को खाद के साथ कोई भी समान थोपने का काम नही किया जाय। कांग्रेस अध्यक्ष नेयाज अहमद खां ने कहा कि इस सीजन में खाद की कोई किल्लत नही हुई है। जिससे किसानों को फायदा मिला है। बीएओ अमरेंद्र ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिया कि दुकान पर उर्वरक स्टॉक व कीमत की तालिका प्रदर्शित करना अनिवार्य है। बैठक में प्रमुख प्रतिनिधि मनोज कुमार, बीडीओ मनोज पासवान, विजय कुशवाहा, हरेंद्र कुशवाहा, नोडल पदाधिकारी (कृषि) सुरेश प्रसाद, उर्वरक निरीक्षक कृष्णा गुप्ता, प्रमोद कुमार, दिनेश पटेल, मस्तकीम अंसारी, सरफराज राय, सुरेन्द्र कुशवाहा, नागेन्द्र यादव, रामा प्रसाद सिंह, वीरेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, किसान सलाहकार देवेंद्र नाथ, रजनी रंजन नाथ, ठाकुर जय राम सिंह, रंजन सिंह, विजय सिंह, साबिर आलम, बबुआ कांत दास, सुनीता कुमारी, ओमप्रकाश बैठा, लव किशोर कुमार, बीआरबीएन के डीलर अजय कुमार, उर्वरक विक्रेता अनिल कुमार, बिरेंद्र सिंह, विकास राय, रंजीत कुमार, अभय सिंह, सुनील सिंह सहित अन्य थे।

मोतिहारी। जिले के घोड़ासहन प्रखंड मुख्यालय स्थित ई किसान भवन में शनिवार को प्रखंड उर्वरक निगरानी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि भोला यादव व संचालन प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी विनय कुमार ने किया। प्रमुख प्रतिनिधि श्री यादव ने कहा कि सभी किसानों के हित में कार्य करने की आवश्यकता है। किसानों को गुणवत्तापूर्ण बीज व खाद उपलब्ध कराया जाये। कृषि पदाधिकारी विनय सिंह ने बताया कि बैठक में यूरिया,डीएपी, पोटाश, की उपलब्धता एवं वितरण के संबंध में चर्चा की गयी। मौके पर उर्वरक विक्रेता संघ के प्रखंड अध्यक्ष नवल प्रसाद, जदयू प्रखण्ड अध्यक्ष सच्चिदानंद कुशवाहा, राजद प्रखंड अध्यक्ष महंत विनोद दास, रमेश सिंह सहित अन्य कर्मी उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

लूट कांड के तीन अपराधियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एचपी पेट्रोल पंप भरगांवा के पास घटना को दिया था अंजाम

बीएनएम। सुगौली। स्थानीय पुलिस ने बाइक लूट कांड में शामिल तीन अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। तीनों अपराधियों ने भरगांवा स्थित एच पी पेट्रोल पंप के पास एक बाइक सवार को लूट लिया था। घटना को अंजाम देने के बाद तीनों फरार चल रहे थे। गिरफ्तार अपराधियों में सुगौली थाना के श्रीपुर रामपुर निवासी विनोद साह का पुत्र नीरज कुमार उर्फ अभय कुमार, हरसिद्धि थाना क्षेत्र के घोघराहां बैरीया निवासी विन्दू पासवान का पुत्र विवेकानन्द कुमार उर्फ गुनगुन पासवान तथा मटियरिया निवासी सीताराम राम का पुत्र आलोक कुमार बताये जातें हैं। थानाध्यक्ष अमीत कुमार सिंह ने पुष्टि करते हुए बताया कि गिरफ्तार अपराधियों को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

तीन सूत्री मांगों को लेकर भाकपा माले के बैनर तले प्रदर्शन

बीएनएम। तुरकौलिया। महंगाई सहित तीन सूत्री मांगों को लेकर भाकपा माले के बैनर तले अंचल कार्यालय तुरकौलिया पर प्रदर्शन किया गया। जहां कार्यक्रम की अध्यक्षता माले के अंचल सचिव विशेश्वर प्रसाद कुशवाहा ने किया। उन्होंने कहा कि गरीबों के साथ सरकार हकमारी कर रही है। मजदूर दूसरे प्रांत में पलायन करने के लिए मजबूर है। मांग पत्र में महागरीब परिवार को एकमुश्त दो लाख रूपया देने, भूमिहीन गरीब को पांच डिसमिल आवासीय भूमि देने व 200 यूनिट बिजली फ्री देने की मांग किया गया है। मांग पत्र सीओ को सौंपा गया। प्रदर्शनकारियो को संबोधित करने वाले मे माले नेता शंभू लाल यादव, सुरेंद्र महतो, ललन सहनी, अवधेश यादव सहित अन्य है।

विवाहिता को ससुराल वालो ने मारपीट कर घर से निकाला

बीएनएम। तुरकौलिया। दहेज में पांच लाख रूपया नही मिलने पर एक विवाहिता को उसके ससुराल वालो ने मारपीट कर घर से निकाल दिया है। पीड़ित विवाहिता एकलावती देवी ने आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराई है। जिसमे कही है की उसकी शादी 2018 में पश्चिम चंपारण जिले के शनिचरी थाना के मठिया रसूल पुर के सुरेंद्र कुमार से हुई। उन्हे दो पुत्री व एक पुत्र है। इधर उसके ससुराल वाले दहेज में पांच लाख रूपया मांग रहे है। नही देने पर उसकी हत्या का प्रयास ससुराल वाले किए। बच्चो के साथ मारपीट कर ससुराल वाले घर से निकाल दिया है। वह अपने मायके बेलवा राय में रह रही है। आरोपियों में पति सुरेंद्र कुमार, सास रामचुनी कुंवर, देवर सर्वजीत नट, दीपू नट, सोनालाल नट, जगजीतन नट शामिल है। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि मामले में अनुसंधान किया जा रहा है।

तलवार से वार कर पत्नी व साली को जख्मी करने वाले युवक गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया। तलवार से वार कर पत्नी व साली को जख्मी करने वाले युवक को पुलिस ने कल्याणपुर के सिसवा पटना गांव में छापेमारी कर पकड़ा है। पकड़ा गया युवक नसीर मिया है। मालूम हो कि 7 अगस्त के सेमरा पंचायत के वार्ड 13 स्थित भेलाछपरा गांव में अपने ससुराल में जाकर नसीर ने रात में अपनी पत्नी सकिला खातून व साली अजमेरी खातून को तलवार से वार कर बुरी तरह जख्मी कर दिया था। गंभीर हालत में जख्मी दोनो का इलाज मुजफ्फरपुर किया गया। जख्मी सजीला के आवेदन पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया था। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि पकड़े गए आरोपी को शनिवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

सीएसपी केंद्र से हथियार बंद अपराधियो ने डेढ़ लाख रुपये लूटा, एक गिरफ्तार

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलवा राय टोला नरियरवा गांव में संचालित एक सीएसपी केंद्र से हथियार बंद अपराधियो ने शुक्रवार की देर शाम में डेढ़ लाख रूपया लूट लिया है। हालाकि ग्रामीणों की सजगता से एक अपराधी लोडेड देशी कट्टा के साथ पकड़ा गया। पकड़े गए अपराधी को ग्रामीणों ने पिटाई कर पुलिस को सौप दिया है। पकड़ा गया अपराधी हरसिद्धि थाना के पानापुर जोगिया के जय किशन महतो का पुत्र चंदन कुमार है। मामले में लूट के शिकार नरियारवा गांव के पवन कुमार ने थाना में आवेदन देकर एफआईआर दर्ज कराया है। जिसमे कहा है कि वे अपनी पत्नी सुभी कुमारी के नाम पर अपने स्टेशनरी दुकान में सीएसपी संचालित करते है। बीती शाम 7.45 बजे दुकान पर बैठे थे। इसी दौरान दो बाइक से चार अपराधी आते ही पिस्टल भिड़ा कर केंद्र में रखे डेढ़ लाख रूपया सहित मोबाइल लूट कर भागने लगे। ग्रामीणों ने खदेड़ कर एक बाइक सहित एक अपराधी को पकड़ा। पकड़े गए अपराधी ने बताया है कि भागने वाले अपराधी उसी गांव के पोखरा के समीप बस्ती के रंजित कुमार, राजा व धर्मेंद्र है। पवन ने बताया कि शुक्रवार को वे बैंक से 64 हजार रूपया निकासी की थी। लूट बता रहे है डेढ़ लाख। पवन ने बताया कि पूर्व से भी केंद्र में राशि थी। जब पूर्व से थी तो निकासी की आवश्यकता क्यों पड़ी। यह जांच का विषय है। इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया की ग्रामीणों के द्वारा सौंपे गए अपराधी को इलाज कराकर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दो बाइक की सीधी टक्कर में एक की मौत, दो घायल

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के धनखरैया में हीरो एजेंसी के ठीक सामने हरसिद्धि-छपवा मुख्य मार्ग पर शनिवार की दोपहर में दो बाइक की सीधी टक्कर में तीन घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरसिद्धि में भर्ती कराया गया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए मोतिहारी रेफर कर दिया। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि इन तीन घायलों में दो की स्थिति गंभीर थी। इन तीन घायलों में दो की पहचान हुई जिसमें बैरिया डीह पंचायत के बबन धवही गांव वार्ड नंबर 19 निवासी बंटी सहनी के पुत्र अमित कुमार 28 वर्ष तथा राजाराम सहनी के पुत्र सुंदरम कुमार 17 वर्ष के रूप में हुई। वहीं दूसरे बाइक सवार की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। इन घायलों में मोतिहारी ले जाने के क्रम में अमित कुमार ने रास्ते में दम तोड़ दिया। थाना अध्यक्ष सह इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय ने बताया कि मृतक का पोस्टमार्टम कराने के लिए वे स्वयं सदर अस्पताल पहुंच चुके है। उन्होंने बताया कि दूसरे बाइक सवार की पहचान अभी नहीं हो पाई है। दो घायलों का इलाज सदर अस्पताल मोतिहारी में चल रहा है। उन्होंने बताया कि परिजन की ओर से अभी तक कोई आवेदन नहीं दिया गया है। आवेदन प्राप्त होते ही प्राथमिक की दर्ज की जाएगी। तब तक अनुसंधान जारी है। वहीं पंचायत के सरपंच पति ललन सहनी, महिला नेता निर्मला सहनी ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। इन दोनों ने बताया कि मृतक अमित कुमार तीन भाई, दो बहन में भाई में तीसरा नंबर पर था। वह अविवाहित था। इस मौत की खबर जैसे ही उसके घर पर पहुंची कि घर में कोहराम मच गया। वहीं गांव में मातमी सन्नाटा छा गया। उसकी मां रंभा देवी तथा उसके भाइयों व बहनों का रोते-रोते बुरा हाल हो गया है। इन लोगों ने बताया कि जिस बाइक से दुर्घटना हुई है वह बाइक मृतक की मां रंभा देवी के नाम पर ही है।

षष्टम वित्त आयोग का पैसा प्रखंड स्तर पर खर्च नहीं होने से सरकार के प्रति जनप्रतिनिधियों में रोष : लप्रखंड प्रमुख

- पंचायती राज्य के नए नियमों के पेंच में फंसा षष्टम आयोग का पैसा, जनप्रतिनिधि हल्का में।
- पंचायती राज विभाग को ही इस वित्त आयोग का संशोधन कर पंचायतों का कर सकते हैं विकास।

बीएनएम। बगहा

बगहा अनुमंडल के गंडक पार मधुबनी प्रखंड प्रमुख सह भाजपा महिला जिलाध्यक्ष, बीस सूत्री सदस्य विजया सिंह ने एक मंच साझा करते हुए शनिवार को लोगों के बीच कहा कि पंचायत के विकास के मद्द में अन्य कई तरह से खाता का संचालन किया जा रहा है,जिसमें जनप्रतिनिधियों का षष्टम वित्त आयोग का पैसा चेक के माध्यम से होता था, लेकिन पंचायती राज अधिनियम के बदलते नए नियमों के बीच जनप्रतिनिधियों के लिए परेशानियों का सबब बन चुका है,जिसके चलते जनप्रतिनिधियों को पंचायत के ग्रामीणों का कोपभाजन का शिकार प्रतिदिन होना पड़ रहा है। जबकि इसके पूर्व के खातों से पैसे की निकासी बेहतर ढंग हो जाया करता था, कुछ समस्याओं को लेकर सभी खातों को बंद करना ठीक नहीं है। जिस पंचायत में समस्या उत्पन्न हुई है उसी पंचायत के उस वार्ड के खातों को बंद करना था। इधर मधुबनी प्रखंड में 10 पंचायत पड़ते हैं। जिसमें मुखिया समिति, वार्ड सदस्य समेत सभी जनप्रतिनिधि त्राहिमाम की स्थिति में मजबूर हैं। वही नहीं। 15 वा, षष्टम तथा पष्टम, वित्त आयोग के द्वारा पंचायतवार विभिन्न प्रकार से योजनाओं का चयन कर कार्य कराया जाता था। लेकिन षष्टम वित्त आयोग का ऐसी कौन सी पंचायती राज का के लिए आयोग में कीमत बढ़ गई है कि इसको पूरे बिहार में इसका पैटर्न बदल दिया गया है। हम प्रेस वार्ता के माध्यम से पंचायती राज मंत्री, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार , डिप्टी चीफ मिनिस्टर सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा तथा पंचायत राज से संबंधित अधिकारियों से मांग करती हूं कि इस कुव्यवस्था को बहुत जल्द से जल्द ठीक करें तथा षष्टम वित्त आयोग के पैसे का भुगतान जनप्रतिनिधियों के खाते में तुरंत भेजी जाय, यदि इसी तरह की खेल मिचौली जनप्रतिनिधियों के साथ चलती रही तो अब वो दिन दूर नहीं हैं, अब जनप्रतिनिधि दिल्ली तथा पंजाब की तरफ रुख कर जायेंगे, क्योंकि उस वित्त आयोग में सरकारी आदेश के अनुपालन में मुखिया बीडीसी या अन्य जनप्रतिनिधियों ने उस कार्य का करने के लिए कर्ज ले लिया है, यदि उस कर्ज को समय से वापस नहीं किया तो उसका घर तक बिक सकता है। जबकि पूरे प. चंपारण जिला में सभी जनप्रतिनिधि आंदोलन करने पर विचार कर रहे हैं। जबकि मधुबनी प्रखंड में मुखिया सहित सभी जनप्रतिनिधि आंदोलन शुरू करने का मूड बना लिया है।इसी संदर्भ में मुखिया अध्यक्ष सह मुखिया विजय यादव ने कहा कि हम लोग प्रखंड प्रमुख के बातों से सहमत हैं तथा पंचायत की जनता इस बातों को नहीं समझ पाती है। उनको तो बस लगता है कि हमारे पंचायत का मुखिया आप हैं। गांव काम कराइए नहीं तो ठीक नहीं होगा। काम तो हमने कराया भी है।लेकिन पैसा का बोझ कर्ज इतना बढ़ गया है कि अब यदि सरकार पेमेंट नहीं करती है तो हम सब जनप्रतिनिधि प्रखंड कार्यालय के गेट पर ही अनशन जारी करेंगे। इसके लिए हम लोग एक आवेदन लिख रहे हैं और डीएम, एसडीएम को इस बाबत जानकारी पत्र सौंपेंगे।

सुख के स्वभाव में डूबो

लगता है, आदमी दुख का खोजी है। दुख को छोड़ता नहीं, दुख को पकड़ता है। दुख को बचाता है। दुख को संवारता है; तिजोरी में संभालकर रखता है। दुख का बीज हाथ पड़ जाए, हीरे की तरह संभालता है। लाख दुख पाए, पर फेंकने की तैयारी नहीं दिखाता। जो लोग कहते हैं आदमी आनंद का खोजी है, लगता है आदमी की तरफ देखते ही नहीं। आदमी दुखवादी है, अन्यथा संसार इतना दुख में क्यों हो! अगर सभी लोग आनंद खोज रहे हैं, तो संसार में आनंद की थोड़ी झलक होती। कुछ को तो मिलता! और कुछ को मिल जाता तो वे बांटते औरों को भी; तो कुछ झलक उनकी आंखों और उनके प्राणों में भी आती। अगर सभी आनंद की तलाश कर रहे हैं, तो लोग एक-दूसरे को इतना दुख क्यों दे रहे हैं। और ऐसा नहीं कि पराए ही दुख देते हों, अपने भी दुख देते हैं। अपने ही दुख देते हैं! शत्रु तो दुख देते ही है; हिसाब रखा है, मित्र कितना दुख देते हैं? जिन्हें तुमसे घृणा है, वे तो दुख देंगे, स्वाभाविक; लेकिन जो कहते हैं तुमसे प्रेम है, उन्होंने कितना दुख दिया, उसका हिसाब रखा है? और अगर हर आदमी दुख दे रहा है, तो एक ही बात का सबूत है कि हर आदमी दुख से भरा है। हम वही देते हैं, जिससे हम भरे हैं। वही तो हमसे बहता है जो हमारे भीतर लगा है। हमारे व्यवहार से दूसरों को दुख मिलता है, क्योंकि हमारे भीतर कड़वाहट है। हम लाख कहें हम प्रेम करते हैं, लेकिन प्रेम के नाम पर भी हम दूसरों के जीवन में नरक निर्मित करते हैं। पति-पत्नियों को देखो, मां-बाप को देखो; बेटे-बच्चों को देखो- सब एक-दूसरे की फांसी लगाए हुए है।

आंध्र प्रदेश हादसा :भीषण अग्निकांड का जिम्मेवार कौन?

नरेन्द्र भारती

देश में हर वर्ष मजदूर दबकर व जलकर मारे जा रहे हैं। ताज़ा दर्दनाक अग्निकांड 21अगस्त 2024 को आंध्र प्रदेश के आनाकापल्ले जिले की एक फ़ार्मा कम्पनी में 21अगस्त बुधवार को करीब 2 बजे आग लग गई जिसमें 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और 36 लोग घायल हो गए यहाँ 381 कर्मचारी काम करते हैं जब आग की घटना हुई तब ज्यादातर कर्मचारी लंच करने गए थे अन्यथा मरने वालों की संख्या बहुत होती। केपिस्टर रियेक्टर में ब्लास्ट होने से यह हादसा हुआ है। 23 मई को भी महाराष्ट्र के ठाणे में केमिकल फैक्ट्री में बॉयलर फटने से नौ लोगों की मौत हो गई थी और साठ लोग घायल हो गए थे। 2 फ़रवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ था जहाँ 35 लोग झूलस गए थे और एक महिला की मौत हो गई थी। फैक्ट्री के प्रबंधक को गिरफ्तार कर लिया था आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली थी इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक पऱ लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफ़ी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिए। वर्ष 2019 में राजघानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे। एडीआरएफ की टीम ने 56 लोगों की जान बचा ली थी। यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी। आग लगने का कारण शार्टसर्किट था। भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंतर्गत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है। पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी। लाशों के ढेर लग गए थे। चीखो पुकार मच गई थी। मजदूर खाक ह गए थे। कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। 2024 में भी उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं।कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं।गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा ।पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है। लगभग तीन घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था। आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है।प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके। दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए।यह बहुत ही दुखद है। बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे। 500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है।एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टॉसफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्योगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर

रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था।इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे। मगर छुटटी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती ।नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा।मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे।सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें।यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है।एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निर्माणाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए। इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में एक निर्माणाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से अधिक लोगों की इमारत के भितर दब गए थे। यह हादसा कनाकोना शहर में घटित हुआ था जो राजधानी पणजी से 80 किलोमीटर दूर था। यह हादसा दोपहर तीन बजे के करीब हुआ जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें ।यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया था। भले ही प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है।ऐसे हादसे पहले भी हो चुके है जिसमें सैंकड़ों लोग लापरवाही के कारण मारे जा चुके हैं। इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौगंटे खड़े हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आंकड़े बताते है कि 2001 से 21 अगस्त 2024 तक हजारों मजदूर मारे जा चुके हैं। इस घटना ने सवाल खड़े कर दिये हैं कि बार-बार हो रहे इन हादसों के कारण क्या है इस घटना ने यह प्रमाणित कर दिया है कि बीती घटनाओं से न तो सरकार ने सबक सिखा और न ही लोगों ने सीखा। पिछले कई सालों से ऐसे दर्दनाक हादसे हो रहे हैं सरकारें ऐसी घटनाओ के बाद मुआवजों की घोषणा करने तथा जांच के आदेश देने में देरी नहीं करती। देश में प्रतिदिन ऐसे मर्मातंक हादसे होते है मगर प्रकाश में नहीं आते। इन हादसों में सैंकड़ों बच्चे अनाथ हो गए और कई मां-बहनों का सिदूर मिट गया और बहनों के भाई मारे गए।केन्द्र सरकार को इन हादसों के संदर्भ में छानबीन करवानी चाहिए तथा दोषियों को सजा देनी होगी। समय रहते इन घटनाओं को रोकने के लिए कारगर कदम उठाने होगें ताकि भविष्य में ऐसी दर्दनाक हादसों पर विराम लग सके। अगर अब भी सरकार ने लापरवाही बरती तो निदोर्ष लोग व मजदूर बेमौत मरते रहेगें। ऐसे हादसो पर रोक के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाए ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक की पुनरावृति न हो सके।

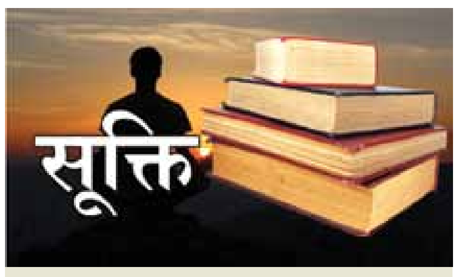

यह व्यक्ति की स्वयं की सोच ही होती है जो उसे बुराइयों की ओर ले जाती है ना कि उसके दुश्मन की।
गौतम बुद्ध

सफलता हमेशा के लिए नहीं होती, विफलता कभी घातक नहीं होती यह तो लगे रहने की प्रवृत्ति हैं जो मायने रखती है।
विंस्टन चर्चिल

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, भाद्र कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि छटवीं, रविवासरे, वृद्धि योगे, भवकरणे, वृष की चंद्रमा, भद्रा 10/24 से रा. 9/22 तक हलषष्ठी व्रत यामी जय योग दिन 10/24 से रा. 10/19 तक तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, सुंदर, सुशील, कोमल हृदय वाला दयाल किन्तु जिद्दी-हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्यमी, व्यापार करने वाला, शासकीय कर्मचारी होगा।

मेष :- राजकीय सम्मान तथा उच्चपद की प्राप्ति संभव है तथा संतान का सुख अवश्य मिलेगा।

वृष :- धन-स्वास्थ्य लाभ, मित्र-कुटुम्बियों से प्रेम, सहयोग बढ़ेगा तथा रुके कार्य बन जायेंगे।

मिथुन :- उत्तम विचार, भाग्य की उन्नति होगी, मानसिक अशांति, सुख, स्वजनों की कमी में मिलन होगा।

कर्क :- जमीन-जायजाद का लाभ मिलेगा, स्वास्थ्य कष्ट होगा, ध्यान रखें।

सिंह :- दाम्पत्य जीवन में उल्लास, पुत्र का भाग्योदय होगा तथा मौसमी प्रकोप हो सकता है।

कन्या :- दाम्पत्य में आकस्मिक झंझट आयेगा, पड़ोसियें से कष्ट, विवाद बनेगा, द्वोष, विचार रहेगा।

तुला :- भाग्योदय होगा, व्यवसायिक जीवन में उन्नति के लिए एक नया अवसर प्राप्त होगा।

वृश्चिक :- कार्य सिद्ध, स्त्री-पुत्रादि की कमी तथा मन अशांत रहेगा तथा कार्य जीवन सुखी रहेगा।

धनु :- सांसारिक सुखों की प्राप्ति, मित्र मिलाप, आमोद-प्रमोद तथा ब्यौहार में सफलता मिले।

मकर :- शैक्षणिक प्रगति में बाधा होगी, अनावश्यक व्यय से कार्य बनेंगे, क्रोध शांत रखें।

कुम्भ :- चतुराई एवं बैद्धिक विकास तथा अधिकांश प्रयत्नों से निश्य लाभ होगा, ध्यान रखें।

मीन :- विभिन्न रोगों से शरीर पीड़ित रहेगा, संतान शिक्षा से अधिकारी से पीड़ा होगी।

पड़ोसियों के बीच अकेला पड़ा भारत

सनत कुमार जैन

भारत अपने पड़ोसी देशों के बीच में अकेला खड़ा नजर आ रहा है। पड़ोस के देशों के साथ हमारे संबंधों में एक शून्यता पैदा हो गई है। किसी भी देश के लिए उसके पड़ोसियों से अच्छे संबंध होना बहुत महत्वपूर्ण होता है। हर सुख- दुख में सबसे पहले पड़ोसी ही खड़ा होता है। कहा जाता है, पड़ोसी भाग्य से मिलते हैं। मित्र तो बनाए जा सकते हैं, लेकिन पड़ोसी को नहीं बनाया जा सकता है। भारत हमेशा गुटनिरपेक्ष देशों का समर्थक रहा है। भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों के साथ बेहतर संबंध बनाने की कोशिश की है। विभाजन में पाकिस्तान एक अलग देश बना था। उसके साथ हमारे संबंध हमेशा तनाव पूर्ण रहे। स्वतंत्रता के समय और उसके पश्चात 1965- 1971 इत्यादि में हमें पाकिस्तान से बड़े युद्ध भी लड़ना पड़े हैं। 1962 में चीन के साथ भारत का युद्ध हुआ। जबकि इसके पहले भारत और चीनी भाई-भाई के नारे लगे थे। तमाम विसंगतियों के बाद भी भारत ने हमेशा अपने पड़ोसी देशों से बेहतर रिस्ते बनाने की कोशिश की। जिसके कारण भारत अन्य देशों की तुलना में लगातार विकास करता रहा। लोकतांत्रिक, सामाजिक और आर्थिक व्यवस्थाओं में भारत का प्रदर्शन हमेशा विकासशील रीष्ट्रों मे सर्वश्रेष्ठ रहा है। 1971 के युद्ध के बाद बांग्लादेश का निर्माण हुआ। भारत ने उसे पर अधिकार जमाने के स्थान पर मुजीबुर्र रहमान को वहां का शासक बनाया। बांग्लादेश को अपना एक अच्छा पड़ोसी बनाया। हमने अपनी सीमाओं को पाकिस्तान और चीन से सुरक्षित करने में कई सीमावर्ती राज्यों के साथ समझौते कर, उन्हें अपने साथ मिलाया। नेपाल, भूटान श्रीलंका,वर्मा इत्यादि देशों के साथ हमेशा हमारे सामाजिक आर्थिक और व्यापारिक रिश्ते बेहतर रहे। पिछले कुछ वर्षों में हमारे पड़ोसी देशों के साथ रिश्ते तनाव पूर्ण होते चले गए। पड़ोसी देश चीन द्वारा अपनी विस्तारवादी नीतियों के तहत भारत के पड़ोसी देशों पर अपना प्रभुत्व बढ़ाया। भारत की विदेश नीति खड़े-खड़े तमाशा देखने की रही। जिसके कारण हमारे पड़ोसी देशों के साथ वर्तमान में बहुत अच्छे संबंध नहीं है। भारत की तुलना में पड़ोसी देशों की चीन के साथ ज्यादा निकटता है। पड़ोसी देशों के साथ मिलकर चीन ने भारत की सीमाओं पर नई चुनौती खड़ी कर दी है। 2009 के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध बहुत अच्छे थे। शेख हसीना की पढ़ाई लिखाई भारत में हुई थी। उन्होंने अपना कठिन समय भारत में काटा था। लेकिन यह बात भी उतनी ही सही है, 2014 के बाद से बांग्लादेश में हिंदुओं के ऊपर हमले बढ़े। भारत के अलावा चीन के साथ भी बांग्लादेश के संबंध अच्छे रहे। पश्चिम बंगाल का रेडीमेड उद्योग सारे देश की सस्ते रेडीमेड कपड़ों की जरूरत को पूरा करता रहा है। उस ओर भारत सरकार और पश्चिम बंगाल की सरकार ने ध्यान नहीं दिया। बांग्लादेश ने रेडीमेड कपड़ों के निर्यात में विशेष रूप से ध्यान दिया। चीन के बाद बांग्लादेश सबसे बड़ा रेडीमेड वस्त्रों का निर्यातक बन गया। लगातार सत्ता में बने रहने के कारण बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना अहंकार और भ्रष्टाचार में लिप्त हो गई। बांग्लादेश के 15 से 24 वर्ष के 30 फ़ीसदी युवा बेरोजगार हो गए। सामाजिक विघटन बांग्लादेश में तेज हुआ। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं के स्थान पर तानाशाही, शासन और प्रशासन में आ गई। भ्रष्टाचार बढ़ गया। अदानी समूह द्वारा बिजली सप्लाई का जो अनुबंध बांग्लादेश के साथ किया गया। उससे पूरे बांग्लादेश में यह संदेश गया, कि बिजली सौदे में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। जिसके कारण भारत के खिलाफ भी बांग्लादेश में वातावरण बनने लगा था। 2024 के आम चुनाव के पहले शेख हसीना ने विपक्षी दलों को जेल भेज दिया। विपक्षी दलों ने भारत सरकार से हस्तक्षेप करने की मांग की थी। भारत ने बांग्लादेश का आंतरिक मामला कहकर पल्ला झाड़ लिया था। जिस तरह से शेख हसीना ने चुनाव कराए। भारी बहुमत से शेख हसीना चुनाव भी जीत गई। प्रधानमंत्री बनने के बाद भी, वह अपना सिंहासन ज्यादा दिनों कायम नहीं रख पाई। उन्हें अपना देश छोड़कर भागना पड़ा। वर्तमान में भारत के पड़ोसी देशों से बहुत अच्छे संबंध नहीं होना, सीमाओं पर लगातार कानून व्यवस्था की चुनौती, पड़ोसी देशों के साथ चीन के बेहतर संबंध, भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। जब सारी दुनिया की महाशक्तियां, आर्थिक मंदी और तीसरे विश्व युद्ध की कगार पर खड़ी हैं।

पाकिस्तान के हालात बांग्लादेश से ज्यादा खराब

डॉ. अनिल कुमार निगम

बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार का तख्ता पलट होने के बाद सवाल उठ रहा है कि क्या दक्षिण एशिया के इस क्षेत्र में तीसरी बार भी ऐसी घटना होगी? क्या अगला नंबर पाकिस्तान का है? यह सवाल सोलह आना खरा इसलिए है क्योंकि इस समय पाकिस्तान के हालात काफी खराब हैं और वहां पर सरकार के खिलाफ कई आंदोलन चल रहे हैं। पाकिस्तान अनेक भीषण चुनौतियों और संकटों से जूझ रहा है। पाकिस्तान के अंदर जिस तरह के विरोध प्रदर्शन और आंदोलन चल रहे हैं, उससे आभास होता है कि वहां भी सरकार के खिलाफ विद्रोह भड़कने की कगार पर है। यह बात इसलिए दावे के साथ कही जा सकती है क्योंकि बांग्लादेश की तरह पाकिस्तान में भी तख्तापलट का इतिहास रहा है। रावलपिंडी में जमात-ए-इस्लामी के नेतृत्व में हजारों लोग बेरोजगारी व महंगाई के विरोध में सड़कों पर उतर कर शहबाज शरीफ को धमका रहे हैं कि उनका हश्र हसीना से बुरा होगा। दरअसल, पाकिस्तान स्टूडेंट फेडरेशन (पीएसएफ) ने 30 अगस्त तक पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को रिहा करने की मांग की है। स्टूडेंट फेडरेशन ने पाकिस्तान की सरकार को अल्टीमेटम जारी किया। छात्रों की मांग है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बेगुनाह हैं और जल्द उनको कैद से बाहर निकाला जाए। यहां पर भारत के दो पड़ोसी देशों में हुई दो घटनाओं की चर्चा उचित होगी। पहली घटना 8 जुलाई 2022 की है। श्रीलंका सरकार ने इसी तारीख को ऐलान किया था कि देश दिवालिया हो गया। जिसके बाद हजारों की संख्या में श्रीलंकाई सड़कों पर उतर आए। कोलंबो में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के भवन को घेर लिया। गोटबाया को देश छोड़ कर भागना पड़ा था। दूसरी घटना है 5 अगस्त 2024 की है जब बांग्लादेश में दो महीने से जारी आरक्षण विरोधी आंदोलन बेकाबू हो गया। भारी आगजनी, हिंसा और तोड़फोड़ करते प्रदर्शनकारी पीएम हाउस में घुस गए। पीएम शेख हसीना ने इस्तीफा देकर देश छोड़ दिया। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में पहले भी सरकार के तख्तापलट का इतिहास रहा है। वर्ष 1958 में पाकिस्तान के पहले राष्ट्रपति मेजर जनरल इसकंदर मिर्जा ने पाकिस्तानी सांसद और प्रधानमंत्री फिरोज खान नून की सरकार को भंग कर दिया था। इसके साथ ही उन्होंने देश में मार्शल लॉ लागू कर आर्मी कमांडर इन चीफ जनरल अयूब खान को देश की बागडोर सौंप दी थी। महज 13 दिन बाद ही अयूब खान ने तख्तापलट करते हुए देश के राष्ट्रपति को पद से हटा दिया था। पाकिस्तान का दूसरा तख्तापलट आर्मी चीफ जनरल जिया उल हक द्वारा किया गया था। जिया उल हक ने 4 जून 1977 को देश के प्रधानमंत्री जुल्फीकार अली भुट्टो

को पद से हटा दिया था। इस तख्तापलट को 'ऑपरेशन फेयर प्ले' के नाम से भी जाना जाता है। इसी तरह से पाकिस्तान में तीसरी बार सरकार का तख्तापलट 1999 में आर्मी चीफ परवेज मुशर्रफ ने तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार का तख्तापलट किया था। पिछले कुछ समय से पाकिस्तान में उथल-पुथल चल रही है लेकिन बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद पाकिस्तान में लोगों का असंतोष चरम पर पहुंच गया है। रावलपिंडी शहर के मुख्य केंद्र मुर्री रोड पर सड़क को बंद करके जमात-ए इस्लामी का धरना चल रहा है, जहां हजारों लोग बैठे हैं और मांग कर रहे हैं कि शहबाज शरीफ सरकार बेरोजगारी, मुद्रास्फीति का तत्काल समाधान करे और विशेष रूप से नागरिकों के बिजली बिलों में वृद्धि को कम करे। इस बीच बलूचिस्तान के एकमात्र बंदरगाह शहर ग्वादर सहित कई अन्य शहरों में पिछले दो हफ्ते से धरना-प्रदर्शन जारी है। रावलपिंडी के विरोध प्रदर्शन के विपरीत बलूचिस्तान में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें भी देखी गई हैं, जहां गोलीबारी में कई लोग मारे गए, दर्जनों घायल हुए और कई लोगों को सरकारी एजेंसियों द्वारा उठा लिया गया। इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व एक युवा बलोच महिला डॉ. महरंग बलोच कर रही हैं, जो मानवाधिकार कार्यकर्ता हैं। इसके अलावा बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी बलूचिस्तान को अलग देश बनाने की मांग करती रही है। उत्तरी इलाकों में भी लोग पिछले कई दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्होंने काराकोरम हाईवे को जाम कर दिया है, जो खुंजराब दर्रे के माध्यम से पाकिस्तान को चीन से जोड़ रहा है। वे संघीय राजस्व बोर्ड और पाकिस्तान सीमा शुल्क के खिलाफ आंदोलन कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में व्यापारियों पर कर लगाया है। पाकिस्तान से चीन जाने के इच्छुक कई विदेशी भी यहां फंस गए हैं और उन्हें प्रदर्शनकारियों के साथ बैठे देखा जा सकता है। वास्तविकता यह है पाकिस्तान के हर हिस्से में विरोध प्रदर्शन चल रहे हैं। यही नहीं, सिंध प्रांत और पाक अधिकृत कश्मीर में पहले से पाकिस्तानी शासकों द्वारा भेदभाव करने के चलते असंतोष चरम पर है। दूसरी ओर पाकिस्तान फिलहाल भारी आर्थिक संकट से जूझ रहा है और नकदी की कमी के कारण उसे भुगतान संकट का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के सामने पाकिस्तान ने सात अरब डॉलर कर्ज की मांग की है। लेकिन कर्ज को लेकर आईएमएफ की कुछ कठिन शर्तें भी हैं, जो पाकिस्तान को पूरी करनी होंगी। पाकिस्तान के लिए डगर बेहद जटिल है। कहने का आशय है कि भारत के आतंरिक मामलों में हमेशा टांग अड़ाने वाला पाकिस्तान बदहाली के ऐसे नासूर से जूझ रहा, जो कभी भी उसको तबाही के आगोश में ले सकता है। हालांकि अगर ऐसा होता है तो भारत के लिए अच्छा नहीं होगा क्योंकि पाकिस्तान का पतन होने के बाद चीन अपना शैतानी पंजा इस क्षेत्र में बढ़ाएगा जिसको तहस-नहस करने के लिए भारत को पहले ही तैयारी कर लेनी चाहिए।

भारतीय संस्कृति में जन्माष्टमी का महत्व

योगेश कुमार गोयल

जन्माष्टमी का त्योहार भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में प्रतिवर्ष भाद्रपक्ष कृष्णाष्टमी को मनाया जाता है, जो इस वर्ष 26 अगस्त को मनाया जा रहा है। मान्यता है कि मथुरा के कारागार में वसुदेव की पत्नी देवकी ने कृष्ण को इसी दिन जन्म दिया था। भारतीय संस्कृति में जन्माष्टमी पर्व का इतना महत्व क्यों है, यह जानने के लिए भगवान श्रीकृष्ण के जीवन दर्शन और उनकी अलौकिक लीलाओं को समझना अनिवार्य है। बाल्याकाल से लेकर बड़े होने तक श्रीकृष्ण की अनेक लीलाएं विख्यात हैं। उन्होंने अपने बड़े भाई बलराम का घमंड तोड़ने के लिए हनुमान जी का आह्वान किया था, जिसके बाद हनुमान जी ने बलराम की वाटिका में जाकर बलराम से युद्ध किया और उनका घमंड चूर-चूर कर दिया था। श्रीकृष्ण ने नररकासुर नामक असुर के बंदीगृह से 16100 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया था, जिन्हें समाज द्वारा बहिष्कृत कर दिए जाने पर उन महिलाओं ने श्रीकृष्ण से अपनी रक्षा की गुहार लगाई और तब श्रीकृष्ण ने उन सभी महिलाओं को अपनी रानी होने का दर्जा देकर उन्हें सम्मान दिया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार, द्वापर युग के अंत में मथुरा में अग्रसेन नामक राजा का शासन था। उनका पुत्र था कंस, जो अत्यंत क्रूर एवं अत्याचारी था। कंस ने बलपूर्वक अपने पिता से सिंहासन छीन लिया और स्वयं मथुरा का राजा बन गया। कंस की बहन थी देवकी, जिसका विवाह कंस ने ही यदुवंशी वसुदेव के साथ बहुत धूमधाम से सम्पन्न कराया। कंस जब देवकी को उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा था, तभी आकाशवाणी हुई कि हे कंस! जिस देवकी को तू इतने प्रेम से उसकी ससुराल छोड़ने जा रहा है, उसी का आठवां बालक तेरा संहारक होगा। आकाशवाणी सुन कंस घबरा गया और देवकी की ससुराल पहुंच कर उसने अपने जीजा वसुदेव की हत्या करने के लिए तलवार खींच ली। तब देवकी ने अपने भाई कंस से निवेदन करते हुए वादा किया कि उसके गर्भ से जो भी संतान होगी, उसे वह कंस को सौंप दिया करेगी। कंस ने देवकी की विनती स्वीकार कर ली और वसुदेव-देवकी को कारागार में डाल दिया। कारागार में देवकी ने पहली संतान को जन्म दिया, जिसे कंस ने मार डाला। इसी प्रकार एक-एक कर उसने देवकी के सात बालकों की हत्या कर दी। जब कंस को देवकी के 8वें गर्भ की सूचना मिली तो उसने वसुदेव-देवकी पर पहरा और कड़ा कर दिया। आखिरकार वह घड़ी भी आ गई, जब देवकी ने कृष्ण को जन्म लिया। उस समय घोर अंधकार छाया हुआ था तथा मूसलाधार वर्षा हो रही थी।

तभी वसुदेव जी की कोठरी में अलौकिक प्रकाश हुआ। उन्होंने देखा कि शंख, चक्र, गदा और पद्मधारी चतुर्भुज भगवान उनके सामने खड़े हैं। भगवान के इस दिव्य रूप के दर्शन पाकर वसुदेव और देवकी उनके चरणों में गिर पड़े। भगवान ने वसुदेव से कहा, ''अब मैं बालक का रूप धारण करता हूं। तुम मुझे तत्काल गोकुल में नंद के घर पहुंचा दो, जहां अभी एक कन्या ने जन्म लिया है। मेरे स्थान पर उस कन्या को कंस को सौंप दो। मेरी ही माया से कंस की जेल के सारे पहरेदार सो रहे हैं और कारागार के सारे ताले भी अपने आप खुल गए हैं। यमुना भी तुम्हें जाने का मार्ग अपने आप देगी।'' वसुदेव ने भगवान की आज्ञा पाकर शिशु को छाज में रख कर अपने सिर पर उठा लिया। यमुना में प्रवेश करने पर यमुना का जल भगवान श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श करने के लिए हिलोरें लेने लगा और जलचर भी श्रीकृष्ण के चरण स्पर्श के लिए उमड़ पड़े। गोकुल पहुंच कर वसुदेव सीधे नंद बाबा के घर पहुंचे। घर के सभी लोग उस समय गहरी नींद में सोये हुए थे पर सभी दरवाजे खुले पड़े थे। वसुदेव ने नंद की पत्नी यशोदा की बगल में सोई कन्या को उठा लिया और उसकी जगह श्रीकृष्ण को लिटा दिया। उसके बाद वसुदेव मथुरा पहुंच कर अपनी कोठरी में पहुंच गए। कोठरी में पहुंचते ही कारागार के द्वार अपने आप बंद हो गए और पहरेदारों की नींद खुल गई। कंस को जैसे ही कन्या के जन्म का समाचार मिला, वह तुरन्त कारागार पहुंचा और कन्या को बालों से पकड़ कर शिला पर पटक कर मारने के लिए ऊपर उठाया लेकिन कन्या अचानक कंस के हाथ से छूट कर आकाश में पहुंच गई। आकाश में पहुंच कर उसने कहा, ''मुझे मारने से तुझे कुछ लाभ नहीं होगा। तेरा संहारक गोकुल में सुरक्षित है।'' यह सुनकर कंस के होश उड़ गए। उसके बाद कंस ने उन्हें मारने के लिए अनेक प्रयास किए। कंस ने श्रीकृष्ण का वध करने के लिए अनेक भयानक राक्षस भेजे परन्तु श्रीकृष्ण ने एक-एक कर उन सभी का संहार कर दिया। बड़ा होने पर कंस का वध कर उग्रसेन को राजगद्दी पर बिठाया और अपने माता-पिता वसुदेव और देवकी को कारागार से मुक्त कराया। तभी से भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की स्मृति में जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया जाने लगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

बगीचा

स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें

सड़क एवं मार्ग

- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पॉंड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत : उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।
- नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां – स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़–तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण

फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है

वर्गाकार पद्धति – वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार– इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है ॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति– यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।

आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण – ऊंची–नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

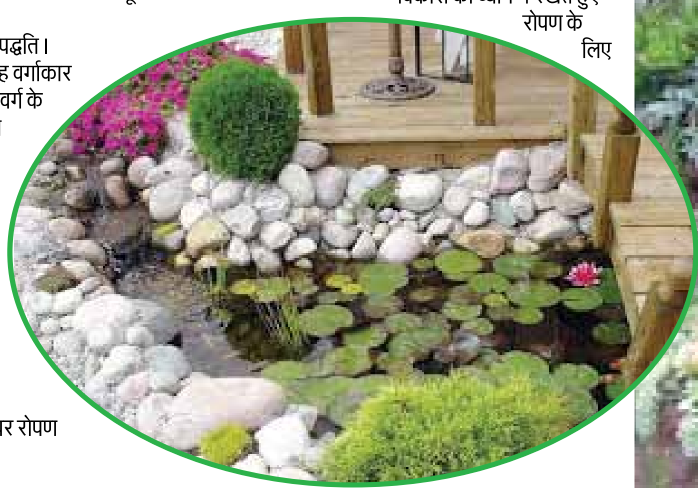

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना – यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली–भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली–भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली–भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन

जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे– कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

रामतिल सुरक्षित फसल

भारत में इस फसल की खेती 5.42 लाख हेक्टेयर में प्रतिवर्ष की जाती है। इसकी औसत उत्पादन क्षमता 299 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर के हिसाब से कुल उत्पादन 1.62 लाख टन प्रतिवर्ष होता है। अविभाजित मध्यप्रदेश राज्य रामतिल के क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादन की दृष्टि से अग्रणी राज्य था। डिण्डोरी जिले में लगभग 35 हजार हेक्टेयर में इसकी खेती की जाती है जिसका औसत उत्पादन 200 कि.ग्राम प्रति हेक्टेयर है। यदि फसल को अच्छे प्रबंधन के साथ लगाया जाए तो उपज 5 से 6 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त की जाती सकती है। अनुकूल उत्पादन अवस्थाओं में इसका उत्पादन 6 से 8 क्विंटल प्रति हेक्टेयर तक भी प्राप्त किया जा सकता है। इस प्रकार के अच्छे उत्पादन प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि कृषक उन्नतशील किस्मों का प्रयोग करें। मौसम के अनुसार उपयुक्त समय पर बुआई करें।

भूमि का चुनाव– यह फसल गहरी काली मिट्टी से भुरभुरी, रेतीली भूमियों जिसमें जल निकास की उत्तम क्षमता हो, में सफलतापूर्वक लगाई जा सकती है। अच्छी गहराई वाली मिट्टी जिसका पी.एच. मान 5.5 से 6.5 के बीच हो इस फसल के लिए अति उत्तम मिट्टी होती है।

हल्की क्षारीय एवं लवणीय भूमि में भी इसकी खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है। परंतु भारी काली कपास वाली भूमि एवं पानी रुकने वाली भूमियां इसके खेती हेतु उपयुक्त नहीं है।

फसल पद्धति –रामतिल फसल की बुआई सामान्यत : मध्य अगस्त में की जाती है। अत : इसके पूर्व एक फसल उड़द, बरबटी या फ्रेंचबीन की ले सकते हैं। डिंडोरी जिले में इस फसल को कुटकी की फसल लेने के बाद भी लेने की संभावना है। परंतु इसके लिये यह आवश्यक होगा कि पहली फसल की बुआई मई के अंत में या जून के प्रथम सप्ताह तक पूरी हो जानी चाहिए, क्योंकि देर से बुआई करने पर रामतिल की बुआई में देरी होगी जिसका उत्पादकता पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

उन्नत किस्में – अच्छी उपज लेने के लिए उपयुक्त किस्म का चयन किया जाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। भूमि एवं बोने के समय के अनुसार उपयुक्त किस्म का चुनाव करना चाहिए। अखिल भारतीय समन्वित तिल एवं रामतिल अनुसंधान परियोजना के द्वारा अनेक उन्नत किस्मों की अनुशंसा की गई है। डिंडोरी क्षेत्र के लिये अनुशंसित किस्म के प्रमुख गुण एवं लक्षण तालिका में प्रस्तुत हैं।

बीज दर – शुद्ध फसल हेतु 5 से 6 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता होती है।

बीजोपचार –
फसल को बीज एवं मिट्टी जनित रोग के संभावित आक्रमण को टालने के लिए बीजोपचार आवश्यक है। थायरम या केप्टान नामक दवाई की 3 ग्राम मात्रा से एक किलोग्राम बीज को उपचारित करना चाहिए। बुआई के 12 घंटे पूर्व

फास्फोरस घोलक जीवाणु (पी.एस.बी.) कल्चर 5 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर उपचारित कर छायादार स्थान में सुखाना चाहिए, इससे उत्पादन में वृद्धि होती है।

बुआई विधि –सामान्यत : रामतिल की बुआई छिड़काव पद्धति से की जाती है इससे प्रति क्षेत्र में वांछित पौध संख्या नहीं मिल पाती है। इसकी अच्छी उपज प्राप्त करने के लिए कतार से बुआई करना चाहिए एवं एक कतार से दूसरे कतार के बीच में 30 से.मी. (1 फीट) का अंतर होना चाहिए। बुआई के पूर्व एक भाग बीज को 20 भाग रेत या भुरभुरी गोबर खाद या राख के साथ मिलाकर बुआई करना चाहिए। इससे प्रति इकाई क्षेत्र में वांछित पौधा संख्या प्राप्त होगी एवं पौध छंटाई का कार्य नहीं करना पड़ता।

उर्वरक एवं खाद – रसायनिक उर्वरकों में नत्रजन 10 किलोग्राम, स्फुर 20 किलोग्राम एवं पोटाश 10 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर बुआई के समय डालना चाहिए। बुआई के 30 से 35 दिन बाद 10 किलोग्राम नत्रजन प्रति हेक्टेयर की मात्रा भूमि में नमी उपलब्ध पर डालने से उत्पादन में वृद्धि होती है।

नींदा नियंत्रण – रामतिल फसल में पहली निंदाई – गुड़ाई बुआई के 15–20 दिन बाद करना चाहिए। यदि आवश्यक है तो दूसरी निंदाई –गुड़ाई बुआई के लगभग 35 – 40 दिन बाद करें। यह कार्य खड़ी फसल में नत्रजन के छिड़काव से पहले कर लेना चाहिए। रामतिल की फसल से डिण्डोरी क्षेत्र में अमरबेल की समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। जिसके कारण कृषक बंधु इसकी खेती को छोड़ रहे है परंतु अनुसंधान के आधार पर रसायनिक दवा के उपचार से अमरबेल का समूल नाश किया जा सकता है। इसके लिए नींदानाशक दवा पेन्डीमिथालीन 0.75 से 1.5 किलो सक्रिय तत्व प्रति हेक्टेयर की दर से 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिए अथवा लासो दानेदार 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए।

कटाई एवं गहाई – रामतिल की फसल किस्मानुसार 90 से 120 दिनों के बीच पककर तैयार हो जाती है। जब पौधे की पत्तियां सूखकर गिरने लगे एवं फली का शीर्ष भाग भूरे एवं काले रंग का दिखने लगे तब फसल की कटाई करें। कटाई में देर करने पर बीज झड़ने का डर रहता है। कटाई के उपरांत पौधों को बंडल में बांधकर खेत में खुली धूप में एक सप्ताह तक सुखाकर गहाई करनी चाहिए।

आय – व्यय –परम्परागत तरीके से फसल लगाने से उपज 50 से 200 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होती है। जिससे कुल आमदनी 2250 से 9000 रु. होती है। उन्नत काश्त तकनीक अपनाकर खेती करने से औसत उपज 500 से 600 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तक प्राप्त होगी जिससे कुल आय 20,000 से 25000 रु. तक प्राप्त होगी।

अब टीम इंडिया के लिए कभी नहीं चलेगा गब्बर का बल्ला

नई दिल्ली। शिखर धवन ने इंटरनेशनल और डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया है। 24 अगस्त की सुबह-सुबह सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने रिटायरमेंट का ऐलान किया। गब्बर के नाम से मशहूर बाएं हाथ का यह बल्लेबाज लंबे समय से टीम से बाहर चल रहा था। शुभमन गिल सरीखे युवा ओपनर्स के आने के बाद से उनकी टीम में वापसी मुश्किल नजर आ रही थी। वह आईपीएल खेलेंगे या नहीं इस बारे में फिलहाल कोई अपडेट नहीं है। लगभग 39 साल के हो चुके शिखर धवन ने भारत के लिए सबसे पहली बार 2010 में वनडे क्रिकेट खेला था, इसके बाद टी-20 और फिर टेस्ट फॉर्मेट में डेब्यू का मौका मिला। मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा और शिखर धवन ने मिलकर कई साल तक भारतीय टीम के लिए ओपनिंग की। दोनों टीम को तूफानी शुरुआत दिलाने के लिए मशहूर थे। शिखर धवन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर डेब्यू करते हुए किसी पदार्पण खिलाड़ी द्वारा सबसे तेज टेस्ट शतक लगाकर सिलेक्टर्स को चौंका दिया था। दिल्ली के रहने वाले धवन एक आक्रामक बल्लेबाज थे, जो गेंदबाजों के परखच्चे उड़ाने में मशहूर थे। अपनी घुमावदार मूंछों से नया स्टाइल स्टेटमेंट बनाने वाले धवन का कैच लपकने के बाद जांघों पर हाथ मारने का सिग्नेचर स्टाइल हमेशा याद रखा जाएगा। 2003-04 के अंडर-19 विश्व कप में तीन शतकों के साथ 84।16 की औसत से 505 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट थे। आईपीएल और पांच वनडे मैच में निराशाजनक प्रदर्शन और टेस्ट सलामी बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के बाद, ऐसा लग रहा था कि धवन को घरेलू क्रिकेट और टी-20 लीग तक की समेट दिया जाएगा, लेकिन किस्मत पलटी और सहवाग-गंभीर दोनों का फॉर्म अचानक बुरी तरह गिर गया, जिसके बाद 27 साल के धवन को मौका मिला और उन्होंने पीछे पलटकर नहीं देखा। शिखर धवन आईपीएल में बैक-टू-बैक शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी हैं। आईपीएल में सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड धवन के नाम है। कुल रनों के मामले में वह सिर्फ विराट कोहली से पीछे हैं। धवन ने 2016 में सनराइजर्स हैदराबाद के साथ आईपीएल जीता। सनराइजर्स हैदराबाद के अलावा शिखर धवन दिल्ली डेयरडेविल्स (डीडी) और दिल्ली कैपिटल्स (डीसी), डेक्कन चार्जर्स, मुंबई इंडियंस (एमआई) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के साथ खेल चुके हैं। धवन ने पंजाब किंग्स और एसआरएच दोनों की कप्तानी भी की है। 2010 में धवन को भारत की तरफ से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे से इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका मिला। साल 2011 में उन्होंने टी20 जबकि 2013 में टेस्ट क्रिकेट मे डेब्यू किया। धवन के करियर में सबसे अच्छा साल 2013 रहा। जब उन्होंने 26 वनडे मैचों में 1162 रन ठोक डाले। इसी साल धवन ने चैंपियंस ट्रॉफी में 5 मैच में 363 ठोके थे। भारत इस साल तीसरी बार आईसीसी इवेंट का चैंपियन बना था। इसके बाद धवन को टीम में लगातार मौके मिलते रहे। धवन ने भारत की तरफ से 167 वनडे, 68 टी20 और 34 टेस्ट मैच खेले हैं। टेस्ट में 7 शतक के साथ उनके नाम 2315 हैं जबकि वनडे में 17 शतकीय पारी की बदौलत 6782 रन बनाए हैं। टी20 में धवन ने 11 हाफ सेंचुरी जड़ते हुए 1759 रन बनाए हैं।

एक ही दिन में रोनाल्डो फॉलोअर्स 3 करोड़ के पार

यूट्यूब पर केवल 10 घंटे के भीतर 1 करोड़ सब्सक्राइबर हासिल किए

नई दिल्ली। यूट्यूब पर डेब्यू करते ही इस शानदार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। उन्होंने यूट्यूब पर केवल 10 घंटे के भीतर 1 करोड़ सब्सक्राइबर हासिल कर लिए हैं। रोनाल्डो ने यूट्यूब पर 3.17 करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर हासिल कर लिए हैं, और समय के साथ यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। फुटबॉल स्टार को चैनल बनाए जाने के 90 मिनट से भी कम समय में 10 लाख फॉलोअर्स तक पहुंचने पर यूट्यूब गोल्ड प्ले बटन मिला, और अब उन्होंने 1 करोड़ सब्सक्राइबर तक पहुंचकर डायमंड प्ले बटन भी हासिल कर लिया है। जहां लोगों को इस मुकाम तक पहुंचने में कई साल लग जाते हैं, वहीं 39 वर्षीय रोनाल्डो ने यह उपलब्धि मात्र 10 घंटे में हासिल कर ली। रोनाल्डो ने अपने यूट्यूब चैनल पर कंटेंट पोस्ट करना शुरू कर दिया है, जहां उन्होंने अपने फैंस से वादा किया है कि वे "रियल क्रिस्टियानो रोनाल्डो" को भी देखने का मौका देंगे, जिसमें उनकी जिंदगी निजी स्टोरी शामिल होंगी। इस चैनल पर क्रिस्टियानो की पत्नी, जॉर्जिना रोड्रिग्ज, और उनके सबसे बड़े बेटे, क्रिस्टियानो रोनाल्डो जूनियर भी दिखाई देंगे। क्रिस्टियानो के चैनल के बनने से पहले, सबसे कम समय में 1 करोड़ सब्सक्राइबर हासिल करने वाले व्यक्ति मिस्टरबीस्ट थे, जिन्होंने यह उपलब्धि 132 दिनों में हासिल की थी। फिलहाल, मिस्टरबीस्ट के यूट्यूब पर सबसे ज्यादा, 311 मिलियन सब्सक्राइबर हैं। हालांकि, रोनाल्डो ने मिस्टरबीस्ट का रिकॉर्ड तोड़कर एक नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। रोनाल्डो सोशल मीडिया पर भी अपनी बढ़त बनाए हुए हैं, जहां वह मशहूर एथलीट्स जैसे टॉम ब्रैडी (47 हजार) और अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी लियोनेल मेसी (2.5 मिलियन) से काफी आगे हैं। जबकि रोनाल्डो का यूट्यूब चैनल सुर्खियां बटोर रहा है, उनके अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी बड़ी संख्या में फैंस हैं। उनके फैंस ट्विटर पर 112.6 मिलियन, फेसबुक पर 170 मिलियन, और इंस्टाग्राम पर 636 मिलियन हैं। उनकी कुल सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या जल्द ही 1 अरब के आंकड़े को छूने वाली है, जो किसी भी एथलीट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। बता दें कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार कहा था कि वह रिकॉर्ड्स का पीछा नहीं करते – बल्कि रिकॉर्ड्स उनका पीछा करते हैं।

टेस्ट क्रिकेट को बचाने विशेष कोष बनायेगा आईसीसी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने टेस्ट क्रिकेट को बचाये रखने के लिए प्रयास शुरु कर दिये हैं। इसमें भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उसका साथ देने के लिए तैयार है। आईसीसी टेस्ट क्रिकेट को बनाये रखने के लिए 150 लाख अमेरिकी डॉलर का अलग से कोष तैयार करेगा। इससे इस प्रारुप में खेलने वाले खिलाड़ियों को भी लाभ मिलेगा। खिलाड़ियों की मैच फीस भी बढ़ेगी। आईसीसी का मानना है कि इस प्रस्ताव से इन खिलाड़ियों को टी20 फ्रेंचाइजी लीग के आकर्षण से भी दूर रखा जा सकेगा। बीसीसीआई के सचिव जय शाह और इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) भी इससे सहमत है। शाह के अगले आईसीसी अध्यक्ष बनने की दौड़ में होने से माना जा रहा है कि ये प्रस्ताव स्वीकार हो जाएगा। इस कोष से टेस्ट क्रिकेटर्स की न्यूनतम मैच फीस भी बढ़ जाएगी। इस कोष से विदेशी दौरों पर टीमों को भेजने में भी सहायता मिलेगी। इससे वेस्टइंडीज जैसे आर्थिक तौर पर कमजोर क्रिकेट बोर्ड को भी सहायता मिलेगी। अभी वेस्टइंडीज के क्रिकेट टेस्ट की उपेक्षा कर टी20 लीग के लिए जा रहे हैं। वहीं माना जा रहा है कि इस कोष के बनने के बाद सभी खिलाड़ियों के लिए न्यूनतम भुगतान तय होगा ये लगभग 10000 डॉलर होगा। इसके अलावा यह उन देश के विदेशी दौरों का खर्च भी इस कोष से भुगतान किया जाएगा जो टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।'इस तरह का कोष गठित करने का प्रस्ताव सबसे पहले सीए अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने जनवरी में रखी थी और इसपर काम होने से वह उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, 'हमें हर बाधा को दूर करने और टेस्ट क्रिकेट को सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

मुंबई हाफ मैराथन में भाग लेंगे 20 हजार प्रतिभागी

मुंबई। कल रविवार 25 अगस्त को होने वाली मुंबई हाफ मैराथन में 20 हजार प्रतिभागी भाग लेंगे। पूर्व स्टार क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर यहां होने वाली मुंबई हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर शुरू करेंगे जिसमें 6,000 से ज्यादा महिलाओं सहित करीब 20,000 प्रतिभागियों के हिस्सा लेने की उम्मीद है। तेंदुलकर यहां बांद्रा कुर्ला परिसर में सुबह पांच बजे मैराथन की मुख्य रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इसकी 10के रेस में सबसे ज्यादा 8,000 से अधिक पंजीकरण हुए हैं जबकि 21के (21 किमी) हाफ मैराथन में 4,000 धावक उतरेंगे जिसमें महाराष्ट्र के अलावा अन्य एलीट एथलीट शिरकत करेंगे। वहीं 5के रेस में 5,000 धावक और 3के रेस में 3,000 से ज्यादा प्रतिभागी होंगे। तेंदुलकर ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'हमारा लक्ष्य दौड़ने को फिटनेस के एक साधन के रूप में बढ़ावा देना है और इस दृष्टिकोण को जीवन में लाना है। इस साल मुंबई हाफ मैराथन के लिए पंजीकरण में उल्लेखनीय वृद्धि देखना उत्साहजनक है।रेस में भारतीय नौसेना के भी 1,500 धावक हिस्सा लेंगे जबकि आयोजकों ने बताया कि इस साल महिला प्रतिभागियों की संख्या में 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है।

बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने होम ग्राउंड पर ही पाकिस्तानी गेंदबाजों को धोया

लिटन ने मारा ऐसा छक्का कि स्टेडियम के बाहर जाकर गिरी गेंद

नई दिल्ली। रावलपिंडी में खेले जा रहे पहले टेस्ट में बांग्लादेश के बल्लेबाजों ने पाकिस्तान के खिलाफ अपना शानदार खेल दिखाया है। पाकिस्तान ने पहले खेलते हुए 16 रन पर तीन विकेट के झटकों से उभरकर 448 रन बनाकर पारी घोषित कर दी थी। बांग्लादेश ने दूसरी पारी में खेलते हुए पाकिस्तान को जोरदार जवाब दिया। तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक बांग्लादेश ने पांच विकेट पर 316 रन बनाए थे। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज शदनाम इस्लाम ने 93 तो मोमिनुल हक, मुश्फिकुर रहीम और लिटन दास ने अर्धशतक लगाए। टेस्ट मैच की खासियत बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास ने पाकिस्तान के सबसे तेज गेंदबाज नसीम शाह की जमकर पिटाई की। 89वें ओवर में जब नसीम पूरे जोश के साथ लिटन को बाऊंसर मारने की कोशिश कर रहे थे तब बांग्लादेशी बल्लेबाजों ने मैदान के चारों ओर नसीम की गेंदों को पहुंचाया। लिटन ने नसीम के ओवर की शुरूआत चौके से की। उन्होंने दूसरे गेंद पर चौका लगाया। चौथी गेंद पर नसीम जब राऊंड द लैग आए तो लिटन ने पुल शॉट से ऐसा गजब छक्का लगाया कि गेंद स्टेडियम से बाहर जाकर गिरी। इससे अगली गेंद पर लिटन ने एक और चौका मारकर नसीम की लय ही बिगाड़ दी। इसी ओवर में कुल 18 रन बने। लिटन ने 52 गेंदों पर फिफ्टी पूरी की। वह आठ चौके और एक छक्का लगाने के साथ अभी नाबाद किरीच पर जमे हुए हैं।

व्यापार

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

- सेंसेक्स 33 अंक चढ़कर 81,086 पर बंद
- निफ्टी1 1 अंक बढ़कर 24,823 पर बंद

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की संभावना, वैश्विक बाजारों में नरम रुख और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। इस दौरान शेयर बाजार शुक्रवार को हल्की बढ़त के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह शेयर बाजार का हाल इस प्रकार रहा- सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई सेंसेक्स लगभग 243.41 अंक बढ़कर 80,680.25 के स्तर पर खुला और 12.16 अंक गिरकर 80,424.68 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 95.20 अंक बढ़कर 24,636.35 के स्तर पर खुला और 31.50 अंक बढ़कर 24,572.65 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 297.86 अंक बढ़कर 80,722.54 के स्तर पर खुला और 378.18 अंक बढ़कर 80,802.86 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 50 76.25 अंक बढ़कर 24,648.90 के स्तर पर खुला और 126.20 अंक बढ़कर 24,698.85 पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 134.89 अंकों की गिरावट के साथ 80,667.97 स्तर पर खुला और 102.44 अंक बढ़कर 80,905.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 3.45 अंक फिसलकर 24,695.40 पर खुला और 71.35 अंक बढ़कर 24,770.20 पर बंद हुआ। गुरुवार को अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ताजा बैठक की मिनट्स में ब्याज दर में कटौती की संभावना के संकेतों से बाजार में उत्साह देखा गया। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 191.35 अंकों की छलांग लगाकर 81,096.65 पर खुला और 147.89 अंकों की बढ़त के साथ 81,053.19 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.25 अंक चढ़कर 24,832.45 पर खुला और 41.30 अंकों की मजबूती के साथ 24,811.50 के स्तर पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी ने शुक्रवार को कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ की, लेकिन बाद में वैश्विक बाजारों में नरम रुख और आईटी शेयरों में बिकवाली के बीच इनमें गिरावट आई। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 37.32 अंक की बढ़त के साथ 81,090.51 अंक पर खुला और 33 अंक चढ़कर 81,086 पर बंद हुआ। निफ्टी 34.55 अंक फिसलकर 24,776.95 अंक पर खुला और 11.66 अंकों की बढ़त के साथ 24,823.15 पर बंद हुआ।

एयर इंडिया, उसके दो सीनियर अधिकारियों पर 99 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एयर इंडिया और उसके दो सीनियर अधिकारियों पर 99 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई पिछले महीने बिना योग्य पायलटों के एक फ्लाइट ऑपरेट करने पर की गई है। नियामक ने इस घटना को सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। यह घटना 10 जुलाई के आसपास हुई थी, जब एक ट्रेनी पायलट और एक नॉन-ट्रेनी पायलट की जोड़ी ने एयरलाइन की एक कमर्शियल फ्लाइट ऑपरेट की थी। यह सुरक्षा नियमों का उल्लंघन था। डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 90 लाख रुपये, एयर इंडिया के ऑपरेशन डायरेक्टर पर 6 लाख रुपये, और ट्रेनिंग डायरेक्टर पर 3 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा संबंधित पायलट को भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचने के लिए सावधानी बरतने की चेतावनी दी गई है। यह घटना डीजीसीए के ध्यान में 10 जुलाई को एयर इंडिया द्वारा प्रस्तुत एक स्वैच्छिक रिपोर्ट के माध्यम से आई। डीजीसीए ने कहा कि इस घटना का संज्ञान लेते हुए, यामक ने एयर इंडिया के ऑपरेशन की व्यापक जांच की, जिसमें दस्तावेजों की जांच और एयर इंडिया की शेड्यूलिंग फैसिलिटी की स्पॉट चेक शामिल थी। जांच के आधार पर, प्रारंभिक रूप से यह पाया गया कि कई पदधारकों और कर्मचारियों द्वारा नियामक प्रावधानों का उल्लंघन किया जा रहा है, जो सुरक्षा के लिए खतरा है। इस घटना के संबंध में 22 जुलाई को उड़ान के पायलट-इन-कमांड और एयरलाइन के अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। नियामक ने कहा कि संबंधित पक्षों द्वारा प्रस्तुत जवाब संतोषजनक नहीं थे। इस कारण डीजीसीए ने मौजूदा नियमों के तहत कार्रवाई शुरू की और जुर्माना लगाया।

जून में ईएसआईसी से जुड़े 21.67 लाख कर्मचारी

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के मुताबिक कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) द्वारा जारी अनंतिम पे-रोल डाटा बताता है कि जून 2024 में 21.67 लाख नए कर्मचारी जुड़े हैं। जून, 2024 में 13,483 नए प्रतिष्ठानों को ईएसआई स्कीम के सामाजिक सुरक्षा दायरे में लाया गया है, जिससे अधिक श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित होगी। इसके अतिरिक्त जून 2023 की तुलना में शुद्ध पंजीकरण में सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। आंकड़ों से यह पता चलता है कि जून माह के दौरान जोड़े गए कुल 21.67 लाख कर्मचारियों में से 10.58 लाख 25 वर्ष तक की आयु वर्ग के हैं। यह कुल पंजीकरण का लगभग 49 प्रतिशत है। इसके अतिरिक्त पेरोल डेटा के जेंडर-वार विश्लेषण से पता चलता है कि जून 2024 में महिला सदस्यों का नामांकन 4.32 लाख रहा है। इसके अतिरिक्त जून 2024 में कुल 55 ट्रांसजेंडर कर्मचारियों ने भी ईएसआई स्कीम के तहत पंजीकरण कराया है, जो समाज के हर वर्ग को इसका लाभ पहुंचाने की ईएसआईसी की प्रतिबद्धता को प्रमाणित करता है।

पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। हर रोज सरकारी तेल कंपनियों पेट्रोल और डीजल का नए भाव जारी करती है। भारतीय ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल के आधार पर कीमतों की समीक्षा के बाद रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपये प्रति लीटर है।चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है।

टाटा की एसयूवी पंच ने बिक्री में वैगनआर को पछाडा

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स की माइक्रो एसयूवी पंच ने देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी की कार वैगनआर को बिक्री में मामले में पछाड़ दिया है। टाटा पंच ने देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार का खिताब हासिल कर लिया है। जनवरी 2024 से जुलाई 2024 के बीच टाटा पंच की बिक्री 1,26,000 यूनिट रही। वहीं, वैगनआर की 1.16 इकाईयां बिकीं। वैकल्पिक ईंधन विकल्प, सस्ती कीमत पर एसयूवी जैसी सुविधाएं और माइक्रो एसयूवी सेगमेंट में एक नई श्रेणी का निर्माण कर पंच ने वैगनआर को पछाड़ा है।टाटा मोटर्स की सफलता के बाद अन्य कंपनियां भी मल्टी फ्यूल सेगमेंट में प्रवेश कर रही हैं। हुंडई की एक्सटर भी एक लोकप्रिय विकल्प बन रही है। हालांकि, मारुति की अन्य कारें जैसे ब्रेजा और एर्टिगा भी सीएनजी विकल्प के साथ उपलब्ध हैं और इनकी बिक्री में भी बढ़ोतरी देखी गई है। आने वाले समय में ग्राहकों की पसंद में बदलाव आ रहा है और वे अब ईंधन दक्ष और पर्यावरण के अनुकूल कारों को तरजीह दे रहे हैं। ऐसे में माइक्रो एसयूवी सेगमेंट में और भी अधिक वृद्धि होने की उम्मीद है। इस बारे में जाटो डायनेमिक्स के प्रेसिडेंट रवि भाटिया का कहना है कि पंच की सफलता का राज उसकी एक नहीं अनेक खूबियां हैं।

बॉक्स ऑफिस पर जॉन अब्राहम की फिल्म वेदा का संघर्ष जारी

सातवें दिन रहा ऐसा हाल

निखिल आडवाणी के निर्देशन में बनी फिल्म वेदा को सिनेमाघरों में रिलीज का एक सप्ताह पूरा हो गया है। हालांकि, यह उम्मीद के मुताबिक बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन नहीं सकी।इस फिल्म की दैनिक कमाई चंद दिनों में लाखों में सिमट गई। इसमें जॉन अब्राहम और शरवरी वाघ मुख्य भूमिका में हैं।टिकट खिड़की पर यह फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है।आइए जानते हैं वेदा के खाते में सातवें दिन कितने लाख रुपये आए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, वेदा ने रिलीज के सातवें दिन यानी बुधवार को 52 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 16.82 करोड़ रुपये हो गया है।इस फिल्म में अभिषेक बनर्जी, तमन्ना भाटिया और आशीष विद्यार्थी ने भी अहम भूमिका निभाई है। फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये बताया जा रहा है।इस फिल्म की कहानी असीम अरोड़ा ने लिखी है। उमेश केआर बंसल, मोनिशा आडवाणी और मधु भोजवानी इसके निर्माता हैं। बॉक्स ऑफिस पर वेदा का सामना राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 से हो रहा है, जो रिलीज के पहले दिन से टिकट खिड़की पर तहलका मचा रही है।इस फिल्म ने महज 7 दिन में 275.35 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है। फिल्म की दैनिक कमाई तेजी से 300 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है।इसके अलावा अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में भी इन दिनों सिनेमाघरों में लगी हुई है।

रानी मुखर्जी की मर्दानी को पूरे हुए 10 साल

यशराज फिल्म्स ने एक वीडियो शेयर कर किया मर्दानी 3 का एलान

बॉक्स ऑफिस पर स्त्री 2 की सफलता के बीच रानी मुखर्जी स्टारर मर्दानी 3 का एलान हो गया है. यशराज फिल्म्स ने मर्दानी फ्रेंचाइजी के 10 साल पूरे होने पर मर्दानी 3 की एलान किया है. रानी मुखर्ज को एक बार फिर मुंबई क्राइम ब्रांच की सीनियर इंस्पेक्टर शिवानी शिवाजी रॉय के रोल में देखा जाएगा. मर्दानी 3 का एलान कर यशराज फिल्म्स ने एक वीडियो भी शेयर किया है. मर्दानी फ्रेंचाइजी महिला लीड स्टारर फिल्मों की टॉप लिस्ट में शामिल है. साल 2014 में यशराज फिल्म्स ने मर्दानी बनाई थी और इसके पांच साल बाद फिल्म मर्दानी 2 आई थी. अब एक बार फिर पांच साल बाद मर्दानी 3 आ रही है. यशराज फिल्म्स ने मर्दानी 3 का एलान कर एक वीडियो शेयरक किया है, जिसमें मर्दानी और मर्दानी 2 में रानी मुखर्ज का धांसू कॉप लुक में एक्शन दिख रहा है. वहीं, वीडियो के आखिर में फिल्म मर्दानी 3 का एलान किया गया है. मर्दानी 3 का एलान कर यशराज फिल्म्स ने लिखा है, मर्दानी के 10 साल पूरे और अगले का इंतजार है, डेयरिंग शिवानी शिवाजी रॉय और मर्दानी की स्पिरिट का जश्न मना रहे हैं, एक दशक से इतना प्यार देने के लिए धन्यवाद, इस प्यार की बदौलत हम दोबारा प्रेरित हो रहे हैं, रानी मुखर्जी और मर्दानी के 10 साल. बता दें, मर्दानी को प्रदीप सरकार और मर्दानी 2 को गोपी पुथरन ने डायरेक्ट किया था.

अब मर्दानी 3 को कौन डायरेक्ट करेगा इसका एलान नहीं किया गया है. वहीं, फिल्म में रानी मुखर्जी के साथ-साथ कौन-कौन एक्टर्स लीड रोल में होगा इसका भी खुलासा नहीं किया गया है. रानी मुखर्जी को पिछली बार फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे (2023) में देखा गया था. फिल्म में रानी की एक्टिंग को खूब सराहा गया था.

अक्षय कुमार की खेल खेल में ने सातवें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

जानिए कुल कारोबार

अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में ठीक एक सप्ताह पहले यानी 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।खिलाड़ी कुमार की इस फिल्म से दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल दिखाती नजर नहीं आ रही है।हर गुजरते दिन के साथ खेल खेल में की कमाई लगातार घटती जा रही है।आइए जानते हैं सातवें दिन खेल खेल में का बॉक्स ऑफिस पर क्या हाल रहा। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, खेल खेल में ने अपनी रिलीज के सातवें दिन यानी बुधवार को 1.04 करोड़ रुपये का कारोबार किया है, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 18.29 करोड़ रुपये हो गया है।खेल खेल में के निर्देशन की कमान मुदस्सर अजीज ने संभाली है। फिल्म की कहानी भी उन्होंने ही लिखी है। भूषण कुमार इस फिल्म के निर्माता हैं।इस फिल्म को लगभग 100 करोड़ रुपये की लागत में बनाया गया है। खेल खेल में अक्षय के अलावा तापसी पन्नू, एमी विर्क, वाणी कपूर, आदित्य सील, प्रज्ञा जयसवाल और फरदीन खान जैसे सितारों ने भी अहम भूमिका निभाई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद खेल खेल में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर दस्तक दे सकती है।फिल्म का प्रीमियर सितंबर के मध्य तक हो सकता है। फिलहाल निर्माताओं की ओर से इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल हर अवतार में कहर ढाती हैं पूजा हेगड़े

लेटेस्ट फोटोज देख फैंस के उड़े होश

बॉलीवुड एक्ट्रेस पूजा हेगड़े हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी तस्वीरों पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए नहीं थकते हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। एक्ट्रेस पूजा हेगड़े आए दिन अपने ग्लैमरस लुक्स से फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका बोल्ड लुक इंटरनेट पर आते ही तेजी से छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस बेकाबू हो गए हैं। पूजा हेगड़े की इन फोटोज में आप देख सकते हैं उन्होंने बेहद ही खूबसूरत कढ़ाई दार लाल रंग की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। बालों की हाई पोनीटेल बांधकर और साथ ही लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस पूजा हेगड़े ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस पूजा हेगड़े कैमरे के सामने कातिलाना अंदाज में कहर ढाती हुई नजर आ रही हैं। उनका स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर आते ही बवाल मचा रहा है। पूजा हेगड़े जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स के जरिए अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं देते हैं। हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए लिखा है- बेहद खूबसूरत। वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा है- सो हॉट एंड ग्लैमरस। तीसरे यूजर ने लिखा है- कितनी खूबसूरत हैं आप। बता दें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं, और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहती हैं। पूजा हेगड़े की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है।

श्रद्धा कपूर स्टारर स्त्री 2 ने प्रभास की कल्कि 2898 एडी का तोड़ा रिकॉर्ड

वर्ल्डवाइड किया 400 करोड़ रु. का आंकड़ा पार

श्रद्धा कपूर और राजकुमार स्टारर हॉरर कॉमेडी फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर सफलतापूर्वक अपना एक हफ्ता पूरा कर लिया है. स्त्री 2 बीती 15 अगस्त को रिलीज हुई थी और फिल्म ने पहले ही दिन बॉक्स ऑफिस पर हाफ सेंचुरी लगाई थी. वहीं, स्त्री 2 का एक हफ्ते का कलेक्शन 400 करोड़ रुपये को पार कर चुका है. फिल्म अब 500 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है. बता दें, इस हफ्ते भी कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं होने जा रही है. ऐसे में स्त्री 2 के लिए बॉक्स ऑफिस पर मोटी कमाई करने का मौका है. बता दें, स्त्री 2 के मेकर्स मडोक फिल्म्स ने सातवें दिन बॉक्स ऑफिस पर 20.4 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है. वहीं. स्त्री 2 का 7 दिनों का कुल घरेलू नेट कलेक्शन 289.6 करोड़ रुपये हो गया है और अब फिल्म अपने दूसरे वीकेंड में आसानी से 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लेगी. इसी के साथ स्त्री 2 ने हिंदी पट्टी की कमाई में कल्कि 2898 एडी की कमाई (277 करोड़ रु) का रिकॉर्ड तोड़ दिया है. बता दें, स्त्री 2 ने इन 7 दिनों में वर्ल्डवाइड 401 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. इसमें घरेलू बॉक्स ऑफिस ग्रॉस कलेक्शन 342 करोड़ रुपये और ओवरसीज में ग्रॉस कलेक्शन 59 करोड़ रुपये का किया है. बता दें, स्त्री 23 अगस्त से अपने दूसरे वीकेंड में एंट्री करने जा रही है. स्त्री 2 घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा आसानी से पार करती दिख रही हैं.

ध्वनि भानुशाली अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी गायिका ध्वनि भानुशाली अभिनय की दुनिया में कदम रखने को तैयार हैं।उन्होंने अपनी फिल्म का ऐलान कर दिया है, जिसका नाम कहां शुरू कहां खत्म है।इस फिल्म के जरिए वह बॉलीवुड में बतौर अभिनेत्री कदम रखने जा रही हैं। इस फिल्म में ध्वनि के साथ अशीम गुलाटी नजर आएंगे।इस पारिवारिक मनोरंजक फिल्म कहां शुरू कहां खत्म का मोशन पोस्टर रिलीज हो गया है, जिसमें ध्वनि और अशीम की जोड़ी नजर आ रही है। इस फिल्म का निर्देशन सौरभ दासगुप्ता ने किया है, वहीं लक्ष्मण उटेकर ने इसे ऋषि विरमानी के साथ मिलकर लिखा है।फिल्म कहां शुरू कहां खत्म 20 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।इस फिल्म में सुप्रिया पिलगांवकर, राकेश बेदी, सोनाली सचदेव, राजेश शर्मा, अखिलेंद्र मिश्रा, चितरंजन त्रिपाठी, विक्रम कोचर, हिमांशु कोहली और विकास वर्मा जैसे कलाकार भी अहम भूमिका में नजर आएंगे। ध्वनि एक भारतीय गायिका हैं। उन्होंने अपने संगीत करियर की शुरुआत फिल्म वेलकम टू न्यूयॉर्क के गाने इश्तेहार से की थी।उन्होंने नेहा कक्कड़ के साथ दिलबर और गुरु रंधावा के साथ इशारे तेरे जैसे गाने भी गाए हैं।ध्वनि को मैं तेरी हूं, वास्ते, मुखड़ा वेख के और लेजा रे जैसे गानों के लिए जाना जाता है।पिछले साल प्रधानमंत्री मोदी का लिखा हुआ गाना गरबो भी ध्वनि ने ही गाया था।

केके मेनन की मुर्शिद का ट्रेलर जारी, 30 अगस्त को जी5 पर रिलीज होगी वेब सीरीज

केके मेनन अभिनीत गैंगस्टर गाथा मुर्शिद के निर्माताओं ने आगामी सीरीज का ट्रेलर जारी किया, जिसका निर्देशन श्रवण तिवारी ने किया है। एक मिनट 32 सेकंड के इस वीडियो में केके माफिया डॉन मुर्शिद पठान की भूमिका में हैं। ट्रेलर में अपराध, एक्शन और ड्रामा का शानदार मिश्रण दिखाया गया है। मुंबई की व्यस्त सड़कों से लेकर दुबई की जगमगाती गलियों और इलाहाबाद की ऐतिहासिक गलियों तक, मुर्शिद दर्शकों को एक ऐसी दुनिया में ले जाता है, जहां हर भाई आपका भाई नहीं होता और पारिवारिक रिश्ते साजिश के जाल में बदल सकते हैं। ट्रेलर दर्शकों को मुंबई के आपराधिक अंडरवर्ल्ड की दुनिया में ले जाता है, जहां रिटायर डॉन मुर्शिद पठान अनिच्छा से उस जीवन में वापस आ जाता है जिसके बारे में उसने सोचा था कि वह पीछे छूट गया है। जब उसका पूर्व प्रतिद्वंद्वी फरीद (जाकिर हुसैन) मुर्शिद के बेटे को एक खतरनाक साजिश में फंसाता है तो पूर्व सरगना को विश्वासघाती हालात से निपटने की एक चुनौती रहती है। मुर्शिद अपने परिवार और विरासत की रक्षा के लिए लड़ता है। इस दौरान इंस्पेक्टर कुमार प्रताप राणा (तनुज विरवानी) उसका पीछा करता है, जो उसका दत्तक पुत्र भी है। शो के बारे में बात करते हुए केके ने कहा, इस गैंगस्टर थ्रिलर में मुर्शिद पठान की भूमिका निभाना मेरे लिए वास्तव में रोमांचक था। मैं हमेशा जटिल किरदारों की ओर आकर्षित रहा हूं और मुर्शिद बिल्कुल वैसा ही है। एक पूर्व डॉन जो परोपकारी बन गया, जो अपने परिवार की रक्षा के लिए अंडरवर्ल्ड में वापस आ गया। उन्होंने कहा, ट्रेलर में उनकी यात्रा की केवल झलक दिखाई गई है। यह एक ऐसी कहानी है जो दर्शाती है कि एक पिता अपने परिवार के लिए किस हद तक जा सकता है। मैं दर्शकों को मुर्शिद की पूरी कहानी का अनुभव कराने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि वह अपने परिवार के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए किस तरह अपने अतीत का सामना करता है। फरीद नामक खलनायक की भूमिका निभाने वाले जाकिर ने कहा, यह चरित्र महत्वाकांक्षा और आक्रामकता का बारूद है, जो लगातार मुंबई के अंडरवर्ल्ड में सत्ता की सीमाओं को आगे बढ़ाता रहता है। फरीद एक ऐसा व्यक्ति है जो मुर्शिद की विरासत को ग्रहण करने के लिए बेताब है, लेकिन अपने स्वयं के अस्थिर स्वभाव के कारण असफल रहता है। जाकिर ने कहा, यह आधुनिक समय के डॉन का एक रोमांचक चित्रण है, जो पुरानी दुनिया के सम्मान और नए जमाने की क्रूरता के बीच संघर्ष कर रहा है। मैं दर्शकों को इस तीव्र सत्ता संघर्ष को देखने और शो में फरीद की यात्रा को देखने के लिए उत्साहित हूं। तनुज ने कहा, मुर्शिद का हिस्सा बनना एक अविश्वसनीय यात्रा रही है, खासकर केके मेनन और जाकिर हुसैन जैसे दिग्गजों के साथ स्क्रीन साझा करना। कुमार प्रताप राणा एक ऐसा किरदार है जो भावनाओं के भंवर में फंसा हुआ है।